वर्ष : 17 ❖ अंक : 201 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
रविवार, 26 फरवरी 2023

बीजेपी के नेता लीडर नहीं डीलर बन गए हैं : तेजस्वी 3 | मोदी सरकार का डीएनए ही गरीब विरोधी : खड़गे 8

राज्य की बेरोजगार माताओं को बनाया जाएगा सशक्त : बस्नेत

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 25 फरवरी । सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा पार्टी अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) की पहल पर शुरू की गई सिक्किम आमा सशक्तिकरण योजना के तहत राज्य भर में 14 हजार माताओं को वार्षिक वित्तीय सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया गया है।

सरकार के माहव्यापी घर दैलो कार्यक्रम की समाप्ति पर आगामी 3 मार्च को रंगपो में आयोजित होने वाले समापन कार्यक्रम में इसकी आधिकारिक शुरुआत करते हुए माताओं को योजना की सहायता राशि का चेक सौंपा जाएगा। इस दिन योजना के अंतर्गत पहले चरण में 32 निर्वाचन क्षेत्रों की 14 हजार महिलाओं को यह सहायता प्रदान की जाएगी। इसमें उन्हें वार्षिक 20 हजार रुपए की आर्थिक सहायता मिलेगी।

मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) के राजनीतिक सचिव एवं एसकेएम के प्रचार-प्रसार संयोजक विकास बस्नेत ने बताया कि देश में महिलाओं के लिए अपनी तरह की इस पहली कल्याणकारी योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए कई मानदंड निर्धारित किए गए हैं। केवल 18 वर्ष से अधिक आयु की माताएं ही इस योजना के लिए पात्र होंगी, हालांकि उनके परिवार में कोई भी सरकारी कर्मचारी नहीं होना चाहिए। वहीं ऐसी माताएं जो बेरोजगार हैं या जिनके पास आय का कोई साधन नहीं है या जो अकेली रहती हैं, उन्हें भी इस योजना में शामिल किया जाएगा। इसी प्रकार इस योजना के माध्यम से यौन शोषण की शिकार महिलाओं, अविवाहित और विधवा माताओं को भी आर्थिक सहायता प्राप्त होगी।

विकास बस्नेत ने कहा कि राज्य में एसकेएम पार्टी की सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने प्रदेश की बेरोजगार माताओं के सशक्त बनाने एवं समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से इस योजना की घोषणा की थी।

इस योजना को विशेष महत्व देते हुए मुख्यमंत्री ने इसके तहत प्रथम चरण में 14 हजार से अधिक माताओं को वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। योजना की लाभार्थियों के चयन में किसी जाति, धर्म, वर्ग, पार्टी को ध्यान में नहीं रखा गया है और विभिन्न स्तरों से परीक्षण और अनुमोदन के बाद इसे लागू किया गया है। मुख्यमंत्री ने योजना के दूसरे चरण में लाभार्थी माताओं की संख्या और सहायता राशि भी बढ़ाने के संकेत दिये हैं।

लोकसभा अध्यक्ष दो दिवसीय सिक्किम यात्रा के बाद लौटे वापस

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 25 फरवरी । लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला आज अपनी दो दिवसीय आधिकारिक सिक्किम यात्रा की समाप्ति पर यहां से रवाना हो गये। अपनी इस यात्रा के दौरान श्री बिड़ला ने सिक्किम विधानसभा में आयोजित 19वीं वार्षिक राष्ट्रमंडल संसदीय संघ, भारत क्षेत्र-3 के सफल आयोजन में भाग लिया।

आज श्री बिड़ला के रंगपो चेकपोस्ट से रवानगी के समय सिक्किम विधानसभा अध्यक्ष अरुण उप्रेती, राज्य के शहरी विकास मंत्री एलबी दास, गंगटोक डीसी तुषार निखारे के साथ गंगटोक एसपी तेनजिंग लोदेन और राज्य गृह विभाग के प्रोटोकॉल अधिकारी पी. पुल्गर ने उपस्थित होकर उन्हें शुभकामनाएं दी।

अपनी सिक्किम यात्रा के दौरान लोक सभा अध्यक्ष ने सिक्किम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य, मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग, राज्यसभा उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह, अरूणाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष एवं सीपीए भारत क्षेत्र-3 अध्यक्ष पासंग डी. सोना, सिक्किम विधानसभा अध्यक्ष अरुण उप्रेती एवं अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति में दो दिवसीय सम्मेलन की अध्यक्षता की।

वहीं लोक सभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के साथ भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं दार्जिलिंग के सांसद राजू बिष्ट, लोकसभा निदेशक डॉ. युमनाम अरुण कुमार और अन्य संबंधित सरकारी अधिकारी भी गये हैं।

भाजपा अहिंसा और अनुशासन में विश्वास रखने वाली पार्टी : थापा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 25 फरवरी । भारतीय जनता पार्टी, सिक्किम की एक महत्वपूर्ण समन्वय बैठक आज सिंगताम स्थित पार्टी कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष डीआर थापा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में उपाध्यक्ष श्री वाईटी लेख्चा, श्री अर्जुन राई, महासचिव श्री भरत दुलाल, श्री सुदीप प्रधान, विभिन्न मोर्चों के प्रमुख, राज्य कार्यकारिणी सदस्य, जिला और मंडल समितियों के अध्यक्ष और महासचिव उपस्थित थे। आज की बैठक का मुख्य उद्देश्य पार्टी के संगठन को आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न स्तरों के पदाधिकारियों का फीडबैक और सुझाव लेना था।

बैठक के प्रथम चरण में प्रदेश भर के विभिन्न मंडल अध्यक्षों, जिलाध्यक्षों व मोर्चा नेताओं ने पार्टी अध्यक्ष को अपने-अपने क्षेत्र में संगठन की वर्तमान स्थिति तथा विभिन्न चुनौतियों व समस्याओं के बारे में अपने बहुमूल्य सुझाव दिए। इस दौरान पदाधिकारियों ने प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर वर्तमान में हो रही राजनीतिक हिंसा की ओर पार्टी अध्यक्ष का ध्यान आकर्षित किया और कहा कि ऐसी घटनाएं भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ-साथ आम जनता में भी असुरक्षा की भावना पैदा कर रही हैं।

प्रदेश अध्यक्ष डीआर थापा ने सभी पदाधिकारियों की प्रतिक्रियाओं और सुझावों को विस्तार से सुनने के बाद उन मुद्दों को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी का सदस्यता अभियान और संगठन विस्तार कार्यक्रम जल्द ही राज्यव्यापी जनसंपर्क अभियान शुरू किया जाएगा। उन्होंने सभी स्तरों के उपस्थित पदाधिकारियों से अपने-अपने स्तर से संगठनात्मक विस्तार की तैयारी शुरू करने का आह्वान करते हुए कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं की मदद और समर्थन के लिए हमेशा तैयार है।

यह कहते हुए कि केवल भारतीय जनता पार्टी के पास सिक्किम के अस्तित्व और सिक्किम के लोगों के साथ-साथ राज्य के सर्वांगीण विकास की रक्षा करने की क्षमता है, अध्यक्ष थापा ने यहां भाजपा सरकार द्वारा की गई अप्रवासी विवाद को हल करने के लिए किए गए ऐतिहासिक और निर्णायक पहल का उदाहरण दिया। इसी तरह केंद्र सरकार द्वारा आम लोगों के लिए शुरू की गई विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं को लोगों का दिल जीतने के लिए झूठे वादे करने की जरूरत नहीं है।

इसी तरह, वर्तमान में राज्य के विभिन्न स्थानों में हो रही राजनीतिक हिंसा की घटनाओं के बारे में कार्यकर्ताओं द्वारा की गई शिकायतों पर बोलते हुए, श्री थापा ने इसकी कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि सिक्किम में मास्क पहने अज्ञात व्यक्तियों द्वारा सिक्किम के लोगों पर हमले की घटनाओं को प्रशासन गम्भीरता से ले और उन अपराधियों की तलाश करे। यह कहते हुए कि भाजपा अहिंसा और अनुशासन में विश्वास रखने वाली पार्टी है, कोई भी सिक्किमी अपने बेटे-बेटियों पर इस तरह के हमले को बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं को पूरा भरोसा दिया और कहा कि अगर भाजपा के किसी कार्यकर्ता पर इस तरह का कोई हमला होता है तो पार्टी उनके पीछे दीवार बनकर खड़ी रहेगी। बैठक के अंत में पार्टी में कुछ नए सदस्यों का भी स्वागत किया गया।

सीपीए इंडिया रीजन जोन-3 के प्रतिनिधियों ने किया नाथुला का दौरा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 25 फरवरी । कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन (सीपीए) इंडिया रीजन जोन 3 के 19वें वार्षिक सम्मेलन के तीसरे दिन सम्मेलन के बाद नाथुला और सोंगमू झील का अध्ययन दौरा हुआ।

सिक्किम विधानसभा के उपाध्यक्ष सांगे लेख्चा अध्ययन दौरे के दौरान अतिथि गणमान्य व्यक्तियों के साथ थे। दौरे में भाग लेने वालों में माननीय अध्यक्ष (सीपीए), अरुणाचल प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष, श्री पासंग दोरजी सोना, अध्यक्ष, त्रिपुरा विधानसभा, श्री रतन चक्रवर्ती, अध्यक्ष, उत्तराखंड विधानसभा, श्रीमती रितु खंडूरी भूषण, असम के विधायक, राज्यसभा के अधिकारी, सिक्किम विधानसभा के अधिकारी और अन्य प्रतिनिधि शामिल थे।

ब्लैक कैट डिवीजन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल संदीप श्रीधरन ने आने वाले गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और उन्हें नाथुला के इतिहास और भारत और चीन के बीच व्यापार मार्ग के रूप में इसके महत्व के बारे में जानकारी दी।उन्होंने यह भी बताया कि नाथुला दर्रा कैलाश मानसरोवर यात्रा का प्रवेश द्वार है।

इसी तरह, संक्षिप्त प्रस्तुति के माध्यम से ब्रीफिंग के दौरान सीमा क्षेत्र में विदेशी मेल एक्सचेंज प्रक्रिया पर प्रकाश डाला गया। सीमा क्षेत्र के चारों ओर के दौरे के बाद, गणमान्य व्यक्तियों को कमांडिंग ऑफिसर द्वारा प्रशंसा के टोकन और स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। आने वाले प्रतिनिधियों ने बाबा हरभजन सिंह मंदिर भी गए और पूजा अर्चना की।

राज्यपाल ने की राष्ट्रपति व उपराष्ट्रपति से मुलाकात

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 25 फरवरी । राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से सिक्किम के राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने आज राष्ट्रपति भवन में शिष्टाचार भेंट की।

सिक्किम के राज्यपाल के रूप में पदभार ग्रहण करने के बाद राज्यपाल की यह राष्ट्रपति से पहली शिष्टाचार भेंट है। इस भेंट के दौरान उन्होंने राष्ट्रपति के प्रति अपना कीमती समय प्रदान करने के लिए आभार प्रकट करते हुए कहा कि माननीय राष्ट्रपति के सक्षम एवं कुशल मार्गदर्शन में भारत सभी क्षेत्रों में नई ऊचाईयों को प्राप्त कर रहा है।

इसके बाद राज्यपाल श्री आचार्य ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से आज उपराष्ट्रपति निवास में शिष्टाचार भेंट की। सिक्किम के राज्यपाल का पदभार ग्रहण करने के बाद राज्यपाल की उपराष्ट्रपति से यह पहली शिष्टाचार भेंट है।

चिवाभंज्यांग तक सड़क निर्माण में देरी से लोगों में रोष

लोगों ने लगाया आरोप- धीमे विकास के कारण यह क्षेत्र काफी पीछे

अनुगामिनी नि.सं.

गेजिंग, 25 फरवरी । भारत-नेपाल सीमावर्ती सिक्किम के चिवाभंज्यांग तक सड़क निर्माण एवं उसके पूरी तरह खुलने के लिए राज्यवासियों को और इंतजार करना पड़ सकता है। 22 फरवरी 2021 को इस सड़क की ट्रैक लाइन का निर्माण पूरा हो गया, लेकिन स्थानीय ग्रामीणों की शिकायत है कि सड़क की ट्रैक लाइन सही नहीं है और यह विभिन्न स्थानों पर जर्जर स्थिति में है।

स्थानीय लोगों का यह भी कहना है कि निर्माण कार्य के कनिष्ठ अभियंता एवं कर्मचारी तो निर्माण स्थल पर आते हैं, लेकिन संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी वहां नहीं पहुंचते। उनके अनुसार, सड़क का टेंडर होने के बाद दो-तीन साल में यह बनकर तैयार हो जाना चाहिए, लेकिन कहनी और कथनी बहुत फर्क है। वर्तमान में खुदाई के साथ-साथ घुमावों एवं सड़क की कारपेटिंग भी हो रही है। इसमें 7.1 मीटर चौड़ी सड़क पर कारपेटिंग किया जाना है, लेकिन अभी यह काम शुरू नहीं हुआ है। ऐसे में जब तक सड़क पर कारपेटिंग नहीं होगी, तब तक वाहनों का सीमा तक पहुंचना बहुत मुश्किल होगा। ऐसे में लगता है कि सड़क को पूरी तरह बनने में अभी समय लगेगा।

गौरतलब है कि सिक्किम के इतिहास में पहली बार भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में 11 हजार से अधिक की ऊंचाई पर इस सड़क का निर्माण हो रहा है। राज्य में अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र के लिए यह पहली सड़क है जो है। इसके पूरी तरह बन जाने पर महज दो घंटे में ही सीमा तक पहुंचा जा सकता है।

नागरिकों का कहना है कि राज्य के धीमे विकास के कारण यह क्षेत्र काफी पीछे है। एक तरफ जहां सिक्किम के आम नागरिक इस बात से खुश हैं कि सड़क सीमा तक पहुंच गई है, पहले ट्रैक के सीमा पर पहुंचने के बाद कई लोगों ने इस जगह पर कदम रखा है, लेकिन यह देखा गया है कि सड़क के अंत तक कितनी सड़क खोदी जानी चाहिए और सड़क का पैटर्न क्या होना चाहिए, इसमें कई खामियां हैं। वर्तमान में कुछ स्थानों पर दीवार या मिट्टी डालने का कार्य चल रहा है। इस कार्य में तेजी लाने के लिए ठेकेदार व विभाग से अनुरोध किया गया है। क्योंकि प्रदेश के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग बार-बार सीमा सड़क को पूर्ण करने के निर्देश दे चुके हैं। लेकिन वास्तविकता यह है कि काम में सुस्ती है।

जानकारों का कहना है कि कई स्थानों पर सड़क एवं इसके मोड़ों का विस्तार न करने पर इस सीमा सड़क को खोला नहीं जा सकता है। 12 साल पहले टेंडर जारी कर इस सड़क का काम शुरू किया गया था, लेकिन तमाम रूकावटों के कारण इसमें काफी समय लग गया है। पिछली सरकार के कार्यकाल में इस सड़क का काम शुरू किया गया था और तत्कालीन मुख्यमंत्री ने 2019 का चुनाव जीतने के बाद सीमा तक सड़क को पहुंचने का वादा किया था, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। बाद में सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा की सरकार बनने के बाद तेजी से सड़क निर्माण कार्य किया गया और पिछले साल 24 जनवरी को सड़क की ट्रैक लाइन को सफलतापूर्वक सीमा पर लाया गया। हालांकि इसके बावजूद अभी तक यह सड़क वाहनों के लिए नहीं खुल पायी है। इसी बीच सम्बंधित विभाग के वरिष्ठ अभियंताओं ने ग्रामीणों से एक बार खोदी गई सड़क को बचाने का अनुरोध किया है।

बहरहाल, इसमें कोई शंका नहीं है कि राज्य की मौजूदा सरकार की पहल पर सीमा क्षेत्र में कई आधारभूत संरचना का निर्माण किया गया है। इस कड़ी में यह सड़क निर्माण भी सरकार की उपलब्धि है। लेकिन सड़क के जीर्णोद्धार हेतु अभी काफी काम बाकी है। गौरतलब है कि 13 जनवरी को जिलाधिकारी कार्यालय की ओर से अधिसूचना जारी कर कहा गया कि एक माह तक सड़क मेंटेनेंस के लिए बंद रहेगी, लेकिन अभी तक सड़क की मरम्मत नहीं हो पाई है। जानकारी के अनुसार सड़क पर मेन पावर काम नहीं कर रही है। ऐसे में काम की सुस्ती से बड़ा नुकसान होने के मद्देनजर क्षेत्रीय सड़क निगरानी प्रभारी पूर्णहांग सुब्बा सड़क सुरक्षा के लिए बार-बार पैदल यात्राएं की हैं।

वहीं राज्य के जल संसाधन अध्यक्ष पेमा वांग्चू शेरपा ने विभाग के कनिष्ठ अभियंताओं एवं कर्मचारियों के साथ सड़क का आधिकारिक दौरा किया है। इस दौरान सीमा क्षेत्र में सड़क बन जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री प्रेम सिंह गोले के सपने को साकार करने की बात कही। इसके साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री के आगमन को ध्यान में रखते हुए जल्द ही सड़क को व्यवस्थित रूप में लाने का अनुरोध किया।

इस दौरान पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि चिवाभंज्यांग एक बेहद खूबसूरत टूरिस्ट स्पॉट है और यहां तक सड़क

पहुंचने से पर्यटन विकास के साथ ही राज्य के विकास में काफी मदद मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही पिछली सरकार ने इस परियोजना को रद्द कर दिया था, लेकिन जब राज्य में सरकार बदली तो नई सरकार के उत्साह और जोश ने इस योजना को सफल बनाया है।

उल्लेखनीय है कि सड़क को पूरा करने की समय सीमा पहले ही बीत चुकी है और लोगों ने आज तक सड़क के सीमा तक नहीं पहुंचने पर खेद व्यक्त किया है।

जानकारों के अनुसार सीमा क्षेत्र तक इस सड़क के पहुंचने से राज्य के विकास को नया आयाम मिलेगा और क्षेत्र का पर्यटन की दृष्टि से भी काफी विकास होगा। वर्तमान में चिवाभंज्यांग न केवल एक सीमावर्ती क्षेत्र है, बल्कि एक बहुत अच्छा पर्यटन स्थल भी बन गया है। भले ही इस क्षेत्र के लोगों की सीमाएं न मिलती हैं, लेकिन उनका जीवन और संस्कृति मिश्रित है। प्राचीन काल से ही नेपाल और सिक्किम के आम नागरिकों का इस स्थान पर आना-जाना लगा रहता है। इस स्थान का भौगोलिक परिदृश्य एवं प्राकृतिक सौन्दर्य देखने के लिए न केवल भारत-नेपाल, बल्कि अमेरिका, जापान, कोरिया आदि कई अन्य देशों के पर्यटक ट्रेकिंग करने इस स्थान पर आते हैं और स्थानीय संस्कृति व रीति-रिवाजों का आनन्द लेते हैं। वहीं नव वर्ष के अवसर पर भी दोनों देशों के नागरिक यहां पिकनिक मनाने के लिए आते हैं। ऐसे में कहा जा सकता है कि अंतरराष्ट्रीय सीमा तक सड़कों का निर्माण समय की मांग है। ऐसे में सरकार और दोनों ओर के संबंधित विभागों ने पर्यावरण को बहुत अधिक नुकसान पहुंचाए बिना सड़क का निर्माण शुरू कर दिया है।

गौरतलब है कि पिछली सरकार के कार्यकाल में भी तत्कालीन मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग ने दिसंबर 2019 में सड़क को पूरा करने के बाद कार से चिवाभंज्यांग जाने का वादा किया था। लेकिन वह ऐसा नहीं कर सके।

डियर साप्ताहिक लॉटरी मालदा निवासी ने ₹ 1 करोड़ जीते

मालदा, पश्चिम बंगाल के श्री मंजूर आलम ने **04.01.2023** को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नंबर **87J 37442** है। उन्होंने कोलकाता स्थित नागालैंड स्टेट लॉटरीज के नोडल अधिकारी के पास प्राइज क्लेम फॉर्म के साथ अपनी पुरस्कार-विजेता टिकट जमा कर दी है। "जब मुझे पता चला कि जो टिकट मैंने खरीदी है, उसने पुरस्कार राशि के एक करोड़ रुपए प्राप्त किए हैं, तो मैं सच में बेहद उत्साहित हो गया। इसने हमारे परिवार की आर्थिक आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु मुझे ढेर सारी उम्मीद और ऊर्जा प्रदान की है। मैं इस विशाल राशि का उपयोग अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा देने तथा हमारे जीवन में कुछ बचत करने में कर सकता हूं।" विजेता ने कहा।

रामचरितमानस पर योगी बोले, ताड़ना का मतलब 'मारने' से नहीं 'देखभाल से होता

लखनऊ, 25 जनवरी (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामचरितमानस विवाद पर समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ताड़ना का मतलब 'मारने' से नहीं देखभाल से होता है।

योगी ने कहा कि अवधी और बुंदेलखंडी के लिखे शब्द 'ताड़ना' और 'शुद्र' का गलत मतलब निकाला गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रामचरितमानस की चौपई विवाद पर कहा कि तुलसीदास के रामचरितमानस को कुछ लोगो ने फाड़ने का काम किया, यही घटना अगर किसी दूसरे मजहब के साथ हुई होती तो,देखते क्या होता।

योगी ने कहा कि धार्मिक ग्रंथ रामचरितमानस तुलसीदास ने जिस कालखंड में लिखा। उसमें उन्होंने एक ग्रंथ से समाज को जोड़ दिया। मगर आज कुछ लोगों ने रामचरितमानस को फाड़ने का प्रयास किया। जिसकी मर्जी आए, हिंदुओं का अपमान कर दे। अगर किसी और मजहब में हुआ होता, तो सोचिए क्या होता। कहा कि 'ताड़ना' और 'शुद्र' का गलत मतलब निकाला गया। शुद्र का मतलब श्रमिक से और ताड़ना का अर्थ देखभाल से होता है।

योगी ने कहा कि मैं मॉरिशियस में प्रवासी भारतीय के आयोजन में गया। वहां कुछ लोगों से मिला और पूछा कि क्या आपके पास कोई धरोहर है, उन्होंने रामचरित मानस को दिखाया। मैंने पूछा कि आपको पढ़ना आता है? उन्होंने कहा कि हम पढ़ना नहीं जानते, लेकिन यही हमारी विरासत है। हम जानते है कि रामचरितमानस अवधी में रची गई। क्या उसके शब्दों का सही मतलब भी इन्हें (सपा) पता है।

मुख्यमंत्री ने विधानसभा में कहा कि तुलसीदास का जन्म चित्रकूट के राजापुर में हुआ था। बुंदेलखंडी में अगर हम बात करेंगे तो 'ताड़ना' शब्द का अर्थ बताइए। देखने से होता है इसका मतलब। उसका गलत अर्थ निकाला गया। ताड़ना का मतलब क्या मारने से होता है क्या? शुद्र का मतलब दलित से नहीं, श्रमिक से है। सपा कार्यालय के बाहर पोस्टर लग रहे हैं। क्या यह सही है? ये कृष्ण की धरती है, संगम की धरती है, राम की धरती है। यहां रामायण जैसे ग्रंथ रचे गए। ऐसे ग्रंथों को जलाया गया। क्या देश-दुनिया में रहने वाले हिंदुओं को अपमानित करने काम नहीं कर रहे हैं। तुलसीदास ने जिस संदर्भ में लिखा उसे समझना चाहिए।

गौरतलब है कि समाजवादी पार्टी के महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य रामचरितमानस की चौपाइयों पर सवाल उठाए थे। उन्होंने रामचरित मानस को पिछड़ों और दलितों को अपमानित करने वाला ग्रंथ कहा था।

उत्तर प्रदेश विधानसभा में मुख्यमंत्री योगी, नेता प्रतिपक्ष अखिलेश के बीच तीखी नोकझोंक

लखनऊ, 25 फरवरी (एजेन्सी)। प्रयागराज में पूर्व विधायक राजू पाल हत्याकांड के गवाह और उसके एक सुरक्षाकर्मी की हत्या के मामले को लेकर उत्तर प्रदेश विधानसभा में शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव के बीच तीखी नोकझोंक हुई।

मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधते हुए कहा, इस पार्टी ने अपराधियों और माफिया को न सिर्फ पाला-पोसा बल्कि उन्हें विधायक और सांसद तक बनाया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली मौजूदा सरकार प्रयागराज मामले में दोषी बताये जा रहे माफिया को मिट्टी में मिला देगी। इस पर सदन में सपा और विपक्ष के नेता अखिलेश यादव ने नाराजगी जाहिर की, जिसके बाद मुख्यमंत्री और अखिलेश के बीच तीखी नोकझोंक हुई।

इसी दौरान, सपा के सदस्य सदन के बीचोंबीच आकर नारेबाजी करने लगे। बहरहाल, बाद में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के आग्रह पर सपा सदस्य अपने-अपने स्थान पर चले गये और मुख्यमंत्री का भाषण शुरू हुआ। इस दौरान भी आदित्यनाथ बीच-बीच में सपा और नेता प्रतिपक्ष पर तंज करते रहे।

पूर्वाह्न 11 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देने के लिये खड़े हुए। तभी सदन में विपक्ष के नेता अखिलेश यादव ने शुक्रवार को प्रयागराज में पूर्व विधायक राजू पाल हत्याकांड के मुख्य गवाह उमेश पाल और उसके एक सुरक्षाकर्मी की हत्या का मामला उठाते हुए सरकार पर सवाल खड़े किये।

इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वह सदन को आश्वस्त करते हैं कि सरकार प्रयागराज की घटना में दोषी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी।

उन्होंने किसी का नाम लिये बगैर सपा पर निशाना साधते हुए कहा, लेकिन जो अपराधी और माफिया हैं, आखिर वे पाले किसके द्वारा गए हैं। प्रयागराज की घटना में जिस माफिया का नाम आ रहा है, क्या यह सच नहीं है कि समाजवादी पार्टी ने उसे सांसद बनाया था।

गौरतलब है कि प्रयागराज मामले में फूलपुर सीट से सपा के पूर्व सांसद माफिया अतीक अहमद का हाथ होना बताया जा रहा है। अहमद इस वक्त गुजरात की एक जेल में बंद है।

मुख्यमंत्री ने किसी का नाम लिये बगैर आरोप लगाया, वह समाजवादी पार्टी द्वारा पोषित माफिया है। उसकी कमर तोड़ने का काम हमारी सरकार ने किया है। हम इस माफिया को मिट्टी में मिला देंगे।

उन्होंने सपा की तरफ इशारा करते हुए कहा, यह पेशेवर अपराधियों के सरपरस्त हैं और यह लगातार यही करते आ रहे हैं। इनके रग-रग में अपराध भरा हुआ है। अपराध के अलावा इन्होंने कुछ सीखा ही नहीं है। पूरा उत्तर प्रदेश इस बात को जानता है और आज यह लोग अपनी सफाई देने के लिए यहां पर आए हैं।

आदित्यनाथ ने कहा, जिस माफिया ने कल यह कृत्य किया है वह उत्तर प्रदेश के बाहर है और वह माफिया समाजवादी पार्टी के सहयोग से ही बार-बार विधायक और सांसद बना है। क्या यह सच नहीं है कि 1996 में इलाहाबाद-पश्चिमी सीट से वह माफिया समाजवादी पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार और पार्टी के सहयोग से विधायक बना था। यही नहीं वर्ष 2004 में भी वह माफिया इन्हीं लोगों के सहयोग से सांसद बना था। यह लोग चोरी और सीनाजोरी करने का काम कर रहे हैं। उन माफियाओं को मिट्टी में मिलाने का काम हमारी सरकार करेगी।

योगी की इस तल्ख टिप्पणी पर सपा के विधायक सदन के बीचोंबीच आ गए और नारेबाजी करने लगे। विधानसभा अध्यक्ष ने नारेबाजी कर रहे सपा विधायकों से अपने स्थान पर जाने को कहा। कुछ देर के बाद सपा सदस्य अपने-अपने स्थान पर चले गये। उसके बाद मुख्यमंत्री ने अपना भाषण दोबारा शुरू किया। इस दौरान उन्होंने कई बार सपा पर तंज किया। उन्होंने कहा कि जो लोग अभिभाषण पढ़ रहीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का सदन में सम्मान नहीं करते वे महिलाओं का सम्मान कैसे करेंगे।

उन्होंने सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के लड़के हैं, गलती हो जाती है, के वक्तव्य को लेकर भी सपा पर निशाना साधा।

दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के बाद आईटीओ स्थित मंदिर, मस्जिद को पीडब्ल्यूडी ने तोड़ा

नई दिल्ली, 25 फरवरी (एजेन्सी)। राष्ट्रीय राजधानी के आईटीओ क्षेत्र में एक मंदिर और एक मस्जिद को लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने अपने अतिक्रमण विरोधी अभियान के एक हिस्से के रूप में ध्वस्त कर दिया।

कानून व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए क्षेत्र में बड़ी संख्या में पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है।

शनिवार का घटनाक्रम दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा गुरुवार को पीडब्ल्यूडी को मथुरा रोड, आईटीओ पर 'झील का ख्रयाओ' पर पैदल मार्ग बनाने के लिए काम करने का निर्देश देने के बाद आया है, भले ही उसने मंदिर और मस्जिद के एक हिस्से को ध्वस्त करने का आह्वान किया हो।

न्यायमूर्ति प्रतिभा सिंह की एकल न्यायाधीश पीठ ने कहा कि यह मुद्दा अत्यंत व्यस्त सड़क पर एक मार्ग के विकास से संबंधित था, जिसमें दस्तावेज और अन्य तस्वीरें दर्शाती हैं कि मंदिर और मस्जिद पैदल मार्ग से सटे हुए हैं।

यह देखा गया कि पीडब्ल्यूडी द्वारा दायर लाइन स्केच में, पैदल मार्ग में एकरूपता नहीं थी जो पैदल चलने वालों की सुरक्षा को प्रभावित कर सकती थी।

अदालत ने पीडब्ल्यूडी को मंदिर/मस्जिद के कार्यवाहकों से इस बात की पुष्टि करने के लिए कहा कि उक्त विध्वंस कब होगा।

अदालत मथुरा रोड स्थित सनातन धर्म मंदिर, जिसे प्राचीन शिव मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, उसके कार्यवाहकों द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

उन्होंने पीडब्ल्यूडी के एक पत्र को चुनौती दी थी जिसमें कहा गया था कि मंदिर की संपत्ति को रास्ते में बाधा के रूप में पहचाना गया था।

अग्निपथ योजना को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर दिल्ली हाईकोर्ट 27 फरवरी को फैसला सुनाएगा

नई दिल्ली, 25 फरवरी (एजेन्सी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि वह सशस्त्र बलों में भर्ती के लिए केंद्र की अग्निपथ योजना को चुनौती देने वाली तीन याचिकाओं पर 27 फरवरी को अपना फैसला सुनाएगा।

योजना, इसकी भर्ती प्रक्रिया और उम्मीदवारों की नियुक्ति को चुनौती देते हुए याचिकाओं के बैच दायर किए गए हैं। चार साल के लिए युवाओं को भारतीय सेना में भर्ती करने के लिए बनाई गई इस योजना के बाद इस अवधि के बाद चयनित उम्मीदवारों में से केवल 25 प्रतिशत को ही रखा जाएगा।

मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की खंडपीठ ने 15 दिसंबर को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। अदालत ने वकीलों से छुट्टियों से पहले अपनी लिखित दलीलें पेश करने को कहा था। केंद्र ने कहा था कि वह अग्निवीरों की भूमिका, जिम्मेदारियों और पदानुक्रम पर हलफनामा दायर करेंगे।

हाई कोर्ट ने 14 दिसंबर को भारतीय सेना में अग्निवीरों और नियमित सिपाहियों (सैनिकों) के लिए अलग-अलग वेतनमान के केंद्र सरकार के फैसले पर सवाल उठाया था, अगर उनका कार्यक्षेत्र समान है। केंद्र का प्रतिनिधित्व करते हुए, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा था कि अग्निवीर नियमित कैडर से अलग कैडर है।

जवाब में उसी खंडपीठ ने कहा था, अलग-अलग कैडर जॉब प्रोफाइल का जवाब नहीं देते, सवाल काम और जिम्मेदारी का है। यदि जॉब प्रोफाइल समान है, तो आप अलग-अलग वेतन को कैसे उचित ठहरा सकते हैं? बहुत कुछ जॉब प्रोफाइल पर निर्भर करेगा। इस पर निर्देश प्राप्त कर हलफनामे पर लगाएं।

भाटी ने कहा था कि अग्निवीरों के नियम, शर्तें और जिम्मेदारियां सैनिकों से अलग होती हैं। उन्होंने कहा- अग्नीवीर कैडर को एक अलग कैडर के रूप में बनाया गया है। इसे नियमित सेवा के रूप में नहीं गिना जाएगा। चार साल तक अग्निवीर के रूप में सेवा करने के बाद, यदि वह स्वेच्छा से काम करते हैं और फिट पाए जाते है, तो नियमित कैडर में उनकी यात्रा शुरू होती है।

केंद्र ने कहा था कि यह योजना जल्दबाजी में नहीं बनाई गई है, बल्कि युवाओं के मनोबल को बढ़ाने के लिए और अग्निवीरों की स्किल मैपिंग के लिए काफी अध्ययन के साथ तैयार की गई है। एएसजी ने कहा था कि इस निर्णय को लेने में पिछले दो वर्षों के दौरान बहुत कुछ किया गया है जैसे कई आंतरिक और बाहरी परामर्श, कई बैठकें और परामर्श भी हितधारकों के साथ आयोजित किए गए हैं।

भाटी ने यह भी तर्क दिया था कि चूंकि भारतीय सशस्त्र बल दुनिया में सबसे अधिक पेशेवर सशस्त्र बल हैं, इसलिए जब वह इस तरह के बड़े नीतिगत फैसले ले रहे हों तो उन्हें बहुत अधिक छूट दी जानी चाहिए। इस योजना पर दायर दर्जनों याचिकाओं के साथ, इसकी शुरूआत से देश भर में लोगों ने विरोध किया। योजना, इसकी भर्ती प्रक्रिया और उम्मीदवारों की नियुक्ति को चुनौती देते हुए याचिका दायर की गई।

इस योजना के साथ कि केवल 25 प्रतिशत चयनित उम्मीदवारों को ही रखा जाएगा, याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि बाकी 75 प्रतिशत उम्मीदवार चार साल बाद बेरोजगार हो जाएंगे और उनके लिए कोई योजना बी नहीं है। पेश हुए याचिकाकर्ताओं में से एक ने 12 दिसंबर को तर्क दिया था- छह महीने में, मुझे शारीरिक सहनशक्ति विकसित करनी है और हथियारों का उपयोग करना सीखना है। छह महीने बहुत कम समय है। हम राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने जा रहे हैं।

इस बारे में भी तर्क दिए गए कि क्या अग्निवीरों के चार साल के कार्यकाल को उनकी समग्र सेवा में गिना जाएगा, जब उनमें से एक चौथाई सेना में शामिल हो जाएंगे।

बीजेपी से मुकाबले के लिए यूपीए जैसा गठबंधन बनाने का समय : खड़गे

रायपुर, 25 फरवरी (एजेन्सी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को कहा कि यह समान विचारधारा वाले दलों तक पहुंचने और यूपीए जैसा गठबंधन बनाने का समय है।

कांग्रेस के 85वें महाधिवेशन में अध्यक्षीय भाषण देते हुए खड़गे ने कहा, 'कांग्रेस उन सभी पार्टियों को साथ लेने को तैयार है जो बीजेपी का विरोध करती हैं।'

उन्होंने कहा कि अतीत में कई राजनीतिक दल यूपीए के साथ थे और मनमोहन सिंह ने ईमानदारी से सरकार का नेतृत्व किया। हालांकि, सरकार के खिलाफ एक बड़ी साजिश थी।

यह उन दलों के लिए एक संदेश के रूप में आया है जो यूपीए सरकार का हिस्सा थे, लेकिन अब कांग्रेस को गठबंधन में अग्रणी भूमिका देने को तैयार नहीं हैं।

कांग्रेस उन राजनीतिक दलों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रही है जो कांग्रेस के गठबंधन का नेतृत्व करने के विचार का विरोध कर रहे हैं। यह कहते हुए कि भाजपा बहुमत हासिल नहीं करेगी, खड़गे ने कहा: कांग्रेस नेतृत्व करेगी, और हमें बहुमत मिलेगा। हम संविधान और लोकतंत्र का पालन करेंगे।

कांग्रेस द्वारा अन्य विपक्षी दलों तक पहुंचने के लिए गठबंधन समिति गठित करने की संभावना है, और रायपुर में पार्टी के पूर्ण सत्र के दौरान इस पर चर्चा की जा सकती है।

सूत्रों ने कहा है कि कांग्रेस एक राष्ट्रीय गठबंधन बनाना चाहती है, लेकिन इसके नेतृत्व की पूर्व शर्त के साथ। कई समान विचारधारा वाले दल हैं जिन्हें कांग्रेस के गठबंधन में अग्रणी पार्टी होने से कोई समस्या नहीं है, लेकिन तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव, आम आदमी पार्टी के साथ तृणमूल कांग्रेस जैसे नेता एक अलग लाइन खींच रहे हैं।

संयुक्त परीक्षा के प्रश्नपत्र संबंधित निरीक्षण अधिकारी को सौंपे गए

अनुगामिनी का.सं.

नामची, 25 फरवरी । सिक्किम लोक सेवा आयोग (एसपीएससी) द्वारा 25-26 फरवरी को आयोजित होने वाली एसिस्टेंट रेवेन्यू सर्वेयर और लोअर डिवीजन क्लर्क की संयुक्त परीक्षा के लिए आज नामची जिले के मुहरबंद प्रश्नपत्र संबंधित निरीक्षण अधिकारी को सौंपे गए।

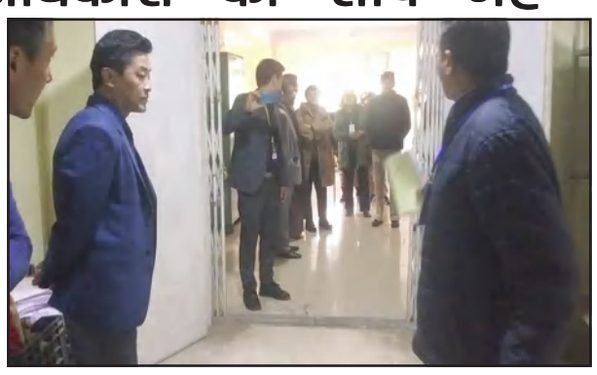

इस दौरान नामची एसडीएम महेंद्र छेत्री, उप चुनाव सचिव भूमिका छेत्री और एसपीएससी के अधिकारी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि सीलबंद प्रश्नपत्र कल ही नामची डीएसी में पहुंच गये थे, जिन्हें सीसीटीवी कैमरों और पर्याप्त सुरक्षा के साथ रखा गया था। जिले में कुल 7 केंद्रों में उम्मीदवार इस संयुक्त परीक्षा में शामिल होंगे।

अखिल सिक्किम किरात राई संघ की गेजिंग व सोरेंग जिला कार्यकारी समिति गठित

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 25 फरवरी । पश्चिम सिक्किम जिलान्तर्गत बेगुने के रोदुंग खिम सभागार में आज अखिल सिक्किम किरात राई संघ की हुई बैठक में संगठन की गेजिंग और सोरेंग जिला कार्यकारी समितियों का गठन किया गया। बैठक में संघ के महासचिव जेपी राई मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। वहीं इस अवसर पर संगठन की केंद्रीय कार्यकारिणी समिति के पूर्व उपाध्यक्ष आरबी राई सहित अन्य पदाधिकारी भी मौजूद थे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पूर्व उपाध्यक्ष आरबी राई की अध्यक्षता में हुई उक्त बैठक में व्यापक चर्चा के बाद गेजिंग जिला के लिए जीके यांग्मा को नयी कार्यकारिणी समिति का अध्यक्ष, मियोंग के बीके राई को उपाध्यक्ष, मेली ताथांग के सुनील राई को मुख्य सचिव और लेगशेप निवासी आरबी राई को कोषाध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया गया है। इसके साथ ही 10 अन्य लोगों को कार्यकारी सदस्य बनाया गया है।

वहीं सोरेंग जिला के लिए नयी कार्यकारिणी समिति में मंगलबरिया निवासी सूरज राई को अध्यक्ष, जूम निवासी खगेंद्र राई को मुख्य सचिव, रिनचेनपोंग निवासी बिरमान राई को कोषाध्यक्ष और रोशन राई जील को प्रचार सचिव के रूप में मनोनीत किया गया है। वहीं कार्यकारी सदस्य के रूप में 9 अन्य लोगों को भी चुना गया है।

राज्य में पहली बार शुरू हुई राष्ट्रीय रैंकिंग तीरंदाजी प्रतियोगिता

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 25 फरवरी । सिक्किम में पहली बार राष्ट्रीय रैंकिंग तीरंदाजी प्रतियोगिता आज से शुरू हो गई है। आगामी 5 मार्च तक चलने वाली इस प्रतियोगिता के उद्घाटन अवसर पर राज्य के खेल व युवा मामलों के मंत्री सह सिक्किम तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष कुंगा नीमा लेप्चा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उनके अलावा लोक सभा सांसद इंद्र हांग सुब्बा, तीरंदाजी संघ के महासचिव प्रमोद चांदुरकर और सिक्किम ओलंपिक संघ के अध्यक्ष कुबेर भंडारी यहां विशिष्ट अतिथि थे।

इस अवसर पर मंत्री लेप्चा ने राज्य में पहली बार आयोजित हो रही राष्ट्रीय रैंकिंग तीरंदाजी प्रतियोगिता में भाग लेने आए सभी प्रतियोगियों का स्वागत किया। वहीं भारतीय तीरंदाजी संघ के महासचिव प्रमोद चांदुरकर ने कहा कि सिक्किम में तीरंदाजों के लिए अनुकूल मौसम है। उन्होंने कहा कि यहां के मौसम में खेलने के बाद खिलाड़ियों को पश्चिमी देशों में खेलने में ज्यादा सहूलियत होगी। इसके साथ ही उन्होंने प्रतियोगिता के आयोजन हेतु एक सुव्यवस्थित मैदान प्रदान करने के लिए राज्य सरकार का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में सिक्किम में भी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के आयोजन की जानकारी दी।

इसके अलावा, सिक्किम तीरंदाजी संघ ने इस प्रतियोगिता के आयोजन पर खुशी जाहिर करते हुए कहा इससे सिक्किम के तीरंदाजों को काफी प्रोत्साहन मिलेगा। गौरतलब है कि यह प्रतियोगिता चार भागों- जूनियर, सब-जूनियर, सीनियर और महिला वर्ग- में संपन्न हो रही है। इसमें देश के सर्वश्रेष्ठ 16-16 तीरंदाज रैंकिंग के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

प्रचार हुआ समाप्त, सोमवार को मेघालय में होगी वोटिंग

शिलांग, 25 फरवरी (एजेन्सी)। मेघालय में 27 फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए एक महीने से अधिक समय से चला आ रहा प्रचार अभियान शनिवार शाम चार बजे समाप्त हो गया। सोमवार को कड़ी सुरक्षा के बीच 12 जिलों की 60 विधानसभा सीटों में से 59 पर मतदान होगा।

सोमवार को कड़ी सुरक्षा के बीच 12 जिलों की 60 विधानसभा सीटों में से 59 पर मतदान होगा।

यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी (यूडीपी) के उम्मीदवार एच. डोनकुपर रॉय लिंगदोह की बीमारी के कारण 20 फरवरी को मृत्यु हो जाने के बाद पूर्वी खासी हिल्स जिले के सोहियोंग विधानसभा क्षेत्र में मतदान नहीं होगा।

मेघालय के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) एफ.आर. खारकोंगोर ने बताया कि शनिवार को 59 विधानसभा क्षेत्रों के 3,419 मतदान केंद्रों पर मतदान दलों की आवाजाही शुरू हो गई है।

सीईओ ने कहा कि, दक्षिण गारो हिल्स में, रोंगचेंग मतदान केंद्रों का पहला मतदान दल शनिवार सुबह जल्दी निकल गया क्योंकि उन्हें मतदान केंद्र तक पहुंचने के लिए 8 किलोमीटर की पैदल दूरी तय करनी थी।

खारकोंगोर ने बताया कि, 27 फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव में 36 महिलाओं समेत कुल 369 उम्मीदवार मैदान में हैं। 2018 के विधानसभा चुनाव में 32 महिलाओं सहित 329 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था।

चुनाव अधिकारियों ने कहा कि बड़ी संख्या में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ), राज्य सशस्त्र और राज्य पुलिस कर्मियों ने सभी मतदान क्षेत्रों में मोर्चा संभाल लिया है।

भाजपा और कांग्रेस ने 60 उम्मीदवारों को खड़ा किया है, जबकि मुख्य विपक्षी तृणमूल कांग्रेस ने 56 उम्मीदवारों को नामित किया है, मुख्यमंत्री कोनराड के संगमा के नेतृत्व वाली एनपीपी ने 57 उम्मीदवारों, यूनाइटेड डेमोक्रेट्रिक पार्टी (यूडीपी) ने 46, हिल स्टेट पीपुल्स डेमोक्रेट्रिक पार्टी (एचएसपीडीपी) ने 11, पीपुल्स डेमोक्रेट्रिक फ्रंट 9, गण सुरक्षा पार्टी एक, गारो नेशनल काउंसिल दो, जनता दल (यूनाइटेड) तीन, रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया दो, एआरपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) छह, वॉयस ऑफ द पीपल पार्टी ने 18 उम्मीदवारों को खड़ा किया है। कुल मिलाकर 44 निर्दलीय उम्मीदवार भी चुनाव लड़ रहे हैं। एचएसपीडीपी मुख्य रूप से री-भोई, ईस्ट खासी हिल्स और वेस्ट खासी हिल जिलों की विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिलांग और तुरा में दो चुनावी रैलियों को संबोधित किया, जबकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने राज्य के विभिन्न हिस्सों में कई चुनावी रैलियों को संबोधित किया।

कई केंद्रीय मंत्रियों, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और राज्य के बाहर के कई भाजपा नेताओं और सांसदों ने पार्टी के लिए प्रचार किया।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने भी मेघालय में चुनावी रैलियों को संबोधित किया। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी, जयराम रमेश, सचिन पायलट, सलमान खुर्शीद गौरव गोगोई, एआईसीसी की राष्ट्रीय प्रवक्ता अलका लांबा और कई अन्य पार्टी नेताओं, पूर्व केंद्रीय मंत्री और पार्टी के पूर्व सांसद ने पार्टी उम्मीदवारों के लिए प्रचार किया। वोटों की गिनती 2 मार्च को होगी।

बीजेपी के नेता लीडर नहीं डीलर बन गए हैं : तेजस्वी

'बिहार के लोग बिकाऊ नहीं... टिकाऊ हैं'

पूर्णिया, 25 फरवरी (नि.सं.)। बिहार के पूर्णिया में रैली के दौरान तेजस्वी यादव ने बीजेपी पर करारा अटैक किया। उन्होंने कहा कि ये बीजेपी के लोग लीडर नहीं है। भाजपा में कोई लीडर नहीं है, सब डीलर हो गए हैं। इसलिए ये लोग देश के संविधान और लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं। हम सांप्रदायिक शक्तियों से केवल लड़ेंगे नहीं बल्कि उन्हें सत्ता से बेदखल करने का काम करेंगे। डिप्टी सीएम ने कहा कि पीएम मोदी ने बिहार को विशेष राज्य के दर्जे की बात कही थी लेकिन अब वो इससे पीछे हट रहे।

तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार के लोग बिकाऊ नहीं है, बिहार के लोग टिकाऊ हैं। ये लोग जात-पात में बांट कर रख दिया है। जो कुछ विकास हो रहा गुजरात में हो रहा तो सवाल उठेंगे। सीएम नीतीश कुमार ने ऐतिहासिक गांधी मैदान से 10 लाख नौकरी का वादा किया है, वो हम पूरा करेंगे। उन्होंने पूर्णिया की रैली में दिल्ली मार्च का आह्वान किया। इस दौरान तेजस्वी ने नारे भी लगवाए, कहा- बीजेपी को भगाना है, देश बचाना है।

तेजस्वी यादव ने कहा कि अनेकता में ही एकता है। हमलोग अलग-अलग हैं लेकिन एक हैं यही महागठबंधन है। आज जो बीजेपी के खिलाफ बोलता है तो उसके वहां छापा पड़ता है। जो उनके साथ हैं वह हरिश्चंद्र हैं। नीतीश कुमार ने सही समय पर निर्णय लेकर वापसी की। इन्हीं का और लालू यादव का बनाया हुआ महागठबंधन है।

तेजस्वी यादव ने पिता लालू यादव की हेल्थ के बारे में भी रैली में अपडेट दिया। उन्होंने कहा कि आप लोगों की दुआ और प्रार्थना से पिता लालू यादव की सेहत ठीक हुई। ऑपरेशन सफल हो जाने के लिए आपने दुआ की और खुशी है कि फिर से हमारे पिता हम सब के बीच वर्चुअली जुड़े और अपना संदेश दिया। उनको कितना भी तंग किया गया लेकिन लालू यादव डरे नहीं और निडर होकर लड़े।

बिहार के करवट लेने से बदलती है देश की हवा : लालू प्रसाद

पूर्णिया, 25 फरवरी (नि.सं.)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रमुख लालू प्रसाद ने शनिवार को बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। लालू यादव ने कहा कि बीजेपी राजनीतिक पार्टी नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का मुखौटा है। उन्होंने बीजेपी को आरक्षण विरोधी बताते हुए कहा कि उनके खिलाफ सभी को एकजुट होकर लड़ाई लड़नी होगी। पूर्णिया के रंगभूमि मैदान में महागठबंधन की ओर से शनिवार को एक रैली आयोजित की गई है। इस रैली में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री तेजस्वी उपस्थित रहे। इस रैली में लालू प्रसाद दिल्ली से वर्चुअल रूप से जुड़े और लोगों को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि इस बात काफी खुशी है कि पूर्णिया में महागठबंधन के सभी दलों के लोग एक मंच पर नजर आए। यही एकजुटता इस बात को प्रमाणित करता है कि अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में महागठबंधन पूरी तरह से तैयार है। लालू ने कहा कि साल 2014 के चुनाव में ही उन्होंने कहा था कि अगले चुनाव में भारत रहेगा या टूटेगा। आठ साल के बाद देश की जो हालत हो गई है, उसे सभी लोग देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि आरएसएस जो चाह रही है, वही नरेंद्र मोदी की सरकार कर रही है। उन्होंने कहा कि आज देश टुकड़े-टुकड़े होने की कगार पर पहुंच चुका है। देश की तानाशाह सरकार के कारण गरीबी चरम पर पहुंच गई है। लोकतंत्र की हत्या हो रही है और किसी का सम्मान नहीं बचा है।

लालू ने सभी दलों से एकजुट रहने की अपील करते हुए कहा कि देश को बचाने के लिए सभी को एकजुट होकर लड़ाई लड़नी होगी। सभी एकजुट रहेंगे तो किसी में हिम्मत नहीं है कि वह देश को तोड़ सके। लेकिन अगर कमजोर पड़ गए तो देश नहीं बचेगा। उन्होंने कहा कि बिहार में आरएसएस के रथ को रोकने का काम हमने किया था। बिहार जब-जब करवट बदलता है तो इसका असर देश के ऊपर होता है। बिहार से ही देश की हवा बदल जाती है।

उन्होंने कहा कि लालू और नीतीश एक हो गए हैं। कोई भी किसी तरह के भ्रम में नहीं रहे। हमारा गठबंधन विचारधारा का है। हमने हमेशा साथ रहने का संकल्प लिया है। देश और लोकतंत्र बचेगा तभी कोई भी दल राजनीति कर सकेगा। उन्होंने पूर्णिया रैली में सशरीर उपस्थित नहीं रहने पर अफसोस भी जताया।

चारा चोर के साथ सत्ता में बैठे नीतीश तो बिहार के किसानों का भलाा कैसे होगा : अमित शाह

पटना, 25 फरवरी (का.सं.)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पटना के बापू सभागार में स्वामी सहजानंद सरस्वती की जयंती समारोह के अवसर पर आयोजित 'किसान-मजदूर समागम' में भाग लिया। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह के बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव पर जमकर हमला बोला।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बिहार देश का सबसे ज्यादा दुग्ध उत्पादन वाला राज्य बन सकता है। लेकिन जब चारा चुराने वाले लालू यादव के साथ नीतीश कुमार सत्ता में बैठ गए हैं तो बिहार के किसानों का भला कैसे होगा। बिहार का किसान यूरिया के लिए परेशान हो रहा है। भारत सरकार डेढ़ गुना ज्यादा यूरिया बिहार को भेज रहा है, लेकिन नीतीश-लालू के राज में इसकी कालाबाजारी हो रही है। इसलिए किसानों को यूरिया नहीं मिल रहा है।

अमित शाह ने कहा कि नीतीश कुमार ने बीजेपी को दो बार धोखा दिया। अब वे हमें धोखा नहीं दे पाएंगे क्योंकि एनडीए के अंदर नीतीश कुमार को लिया ही नहीं जाएगा। नीतीश के लिए एनडीए के सारे दरवाजे बंद हो गए हैं।

शाह ने कहा कि उन्होंने अपने जीवन में नीतीश कुमार जैसा दलबदल करने वाला नेता नहीं देखा है। 2020 में जनता ने बीजेपी को ज्यादा सीटें दी थीं, फिर भी हमने वादे के तहत नीतीश को सीएम बनाया था। लेकिन उन्होंने हमें धोखा दिया। लेकिन जब उन्हें धोखा मिलेगा तब पता चलेगा कि विश्वासघात क्या होता है।

'किसान-मजदूर समागम' कार्यक्रम में अमित शाह ने अपने संबोधन की शुरुआत इतिहास का जिक्र करते हुए की। अमित शाह ने कहा कि सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य व आचार्य चाणक्य ने जिस धरती पर भारत का पहला सफल राज्य बनाया। सम्राट चंद्रगुप्त व सम्राट समुद्रगुप्त ने जहां से अफगानिस्तान से लेकर लंका तक एक मुश्त साम्राज्य बनाया, उस मगध की राजधानी में आप सभी को नमन करता हूं।

कार्यक्रम में अमित शाह ने कहा कि सहजानंद जी और सुभाष बाबू एक दूसरे से जुड़े हुए थे। दंडी स्वामी होने के बावजूद उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में हिस्सा लिया। जब जमींदारों की ओर से किसानों से जबरन कर वसूल जाता था तब स्वामी जी ने कहा था कि 'कैसे लोगे मालगुजारी (टैक्स), लठ हमारा जिंदाबाद।'

उन्होंने कहा कि स्वामी जी ने उस समय कहा था- 'जो अन्न-वस्त्र उपजायेगा, अब वो कानून बनाएगा। यह भारतवर्ष उसी का है, अब शासन वही चलाएगा।'

'जॉर्ज, शरद और मांझी को नहीं दिया धोखा', सियासी धोखे पर सीएम नीतीश कुमार की सफाई

पूर्णिया, 25 फरवरी (नि.सं.)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पहली बार सफाई देते नजर आए। महागठबंधन के मंच से नीतीश कुमार ने भूत और भविष्य की बात की। अपनों के साथ-साथ परायों पर भी सफाई दी। पूर्णिया के मंच से जॉर्ज फर्नांडिस, शरद यादव और जीतन राम मांझी को लेकर पहली बार सफाई दी। तीनों नेताओं को लेकर जो सियासी चर्चा है, उस पर अपनी बात रखी। दरअसल, गाहे-बगाहे आरोप लगता है कि नीतीश कुमार इन तीनों नेताओं को धोखा दिया। हाल ही में जेडीयू से अलग हुए उपेंद्र कुशवाहा भी नीतीश कुमार पर गंभीर आरोप लगाए थे। यही नहीं, कुशवाहा ने तो शरद यादव के निधन के बाद जो ट्वीट किया था, उसका मतलब क्या था। ये सभी समझ रहे हैं। इसके अलावे बीजेपी भी नीतीश कुमार पर धोखा देने का आरोप लगाती रहती है।

नीतीश कुमार पर तो आरोप लंबे समय से लग रहे हैं, लेकिन पहली नीतीश कुमार ने इस पर सफाई दी। पूर्णिया में आयोजित महागठबंधन की रैली को संबोधित करते हुए नीतीश कुमार ने बिना किसी का नाम लिए बिना कहा कि जॉर्ज फर्नांडिस को हमने धोखा नहीं दिया। नीतीश कुमार ने कहा कि 1994 में हमलोग उनके ही नेतृत्व जनता दल से अलग हुए थे। इस दौरान नीतीश कुमार ने कहा कि हम तो उस वक्त जनता दल में ही जेनरल सेक्रेट्री थे। उनके साथ चले गए। आरोप लगता है कि हम उनके खिलाफ थे। हम तो उनके साथ थे। नीतीश कुमार ने आगे कहा कि 2003 में पार्टी बनी तो शुरू में वही अध्यक्ष थे। 2006 में शरद यादव अध्यक्ष बने।

नीतीश कुमार ने कहा कि सब कहता है कि हम शरद यादव के खिलाफ हो गए। क्या हम शरद यादव के खिलाफ हो गए थे? सीएम नीतीश ने कहा कि शरद यादव तो हमारे खिलाफ हो गए थे, जब हम लोगों ने आरजेडी को छोड़कर बीजेपी के साथ चले गए थे। वे एकमात्र नेता थे, जो खिलाफत किए थे। कैसे सब बोलता है, कोई जानकारी तो है नहीं।

फिर नीतीश कुमार कहते हैं कि उ सब कहता है कि हम मांझी जी को भी धोखा दिए। नीतीश कुमार ने कहा कि भला बताइये... धोखा दिया। हम तो जीतन राम मांझी को मुख्यमंत्री बनाए। आज भी मांझी जी हमारे साथ हैं। बीच में मांझी जी उनके साथ गए थे। आप लोगों ने कुछ किया? नीतीश कुमार ने आगे कहा कि आपके साथ थे तो इनके कुछ बनवाए। लेकिन आजकल हम ही को बोल रहा है कि हमने धोखा दिया। नीतीश कुमार ने आगे कहा कि अब मांझी जी पर सब लगा हुआ है। मांझी जी काहे जाएंगे। हम ही लोग आगे बढ़वा देंगे।

नीतीश को हर तीन बाद पीएम बनने का सपना आता है : अमित शाह

पटना, 25 फरवरी (का.सं.)। देश के गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कांग्रेस, राजद और बिहार के मुख्यमंत्री पर जोरदार सियासी हमला बोला है।

अमित शाह ने नीतीश कुमार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्हें हर तीन साल पर प्रधानमंत्री बनने का सपना आता है। उन्होंने कहा कि राजनीति में पारदर्शिता जरूरी है, इस कारण नीतीश कुमार को तेजस्वी यादव को कब मुख्यमंत्री बनाएंगे, उसकी तिथि उन्हे बतानी चाहिए।

बिहार के वाल्मीकिनगर में जैन साहू उच्च विद्यालय प्रांगण में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने साफ कहा कि नीतीश कुमार के लिए भाजपा के दरवाजे हमेशा के लिए बंद हो गए।

अमित शाह ने कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा को जदयू से अधिक सीटें यहां की जनता ने दी थी, उसके बावजूद हमने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाया, क्योंकि हमने वादा किया था। लेकिन,नीतीश को हर तीन साल में पीएम बनने का सपना आता है।

उन्होंने कहा कि जयप्रकाश नारायण जिस कांग्रेस के खिलाफ लड़े। नीतीश ने जिस जंगलराज के खिलाफ लड़कर भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनाई, उन्हीं जंगल राज के प्रणेता लालू यादव की गोद में जाकर बैठ गए हैं।

उन्होंने सपष्ट लहजे में कहा कि नीतीश कुमार आया राम-गया राम बहुत कर लिए हैं, अब भाजपा के दरवाजे उनके लिए हमेशा के लिए बंद हो गए हैं।

भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने जदयू और राजद गठबंधन को पानी और तेल जैसा बताते हुए कहा कि जिस प्रकार तेल और पानी कभी नही मिलता उसी प्रकार यह गठबंधन है। राजद तेल है तो जदयू पानी है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बनने की महत्वकांक्षा में नीतीश कुमार ने राजद और कांग्रेस से मिलकर बिहार का बंटाधार कर दिया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने उन्हें पीएम बनने का झुनझुना पकड़ाया है, उनके लिए नया विमान भी खरीद रहे हैं, लेकिन केंद्र में जगह खाली नहीं है। 2024 में फिर मोदी आने वाले हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कटाक्ष करते हुए कहा कि नीतीश ने लालू के बेटे को सीएम बनाने का वादा किया है, लेकिन नीतीश तारीख नहीं बता रहे हैं। लोकतंत्र में पारदर्शिता होनी चाहिए, अगर वादा किया है तो तारीख बताएं कि तेजस्वी को कब मुख्यमंत्री बनाएंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि राजद के विधायक रोज मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभी तो आधा जंगल राज आया है, तेजस्वी के आने से बिहार में पूरा जंगलराज आ जाएगा।

शाह ने केंद्र की कई योजनाओं के लिए भूमि नहीं उपलब्ध कराने का भी आरोप बिहार सरकार पर लगाया। शाह ने कहा कि लालू यादव पहले केंद्र में मंत्री थे और अब नीतीश कुमार भी उनकी गोदी में बैठे हैं।

उन्होंने दावा करते हर कहा कि केंद्र में जब यूपीए की सरकार थी तब बिहार को सिर्फ 50 हजार करोड़ रुपये दिए थे, नरेंद्र मोदी की सरकार ने 2014 से 19 तक 1 लाख 9 हजार करोड़ बिहार को दिए।

उन्होंने नीतीश कुमार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि मैं तो मोदी का हिसाब लेकर आया हूं,अगर आप में साहस है तो राजद और कांग्रेस का हिसाब जनता के सामने रखें।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR 200 MONTHLY LOTTERY
Draw No:2 DrawDate on:25/02/23
1st Prize ₹1.25 Crores/- 752210
(Including super prize amt)
2nd Prize ₹10 Lakhs/- 826324
(Including super prize amt)
3rd Prize ₹5 Lakhs/- 603659
(Including super prize amt)
4th Prize ₹5000/-
0797 0824 1877 2788 2888 3674 4451 4951 6152 8758
5th Prize ₹3000/-
0878 2947 3735 5580 6428 7573 8366 9088 9297 9968
6th Prize ₹1000/-
0019 0103 0143 0233 0275 0436 0483 0603 0626 0631
0653 0749 0761 0798 0806 0903 0926 0935 1000 1042
1115 1278 1282 1364 1387 1480 1485 1515 1521 1580
1593 1613 1646 1694 1766 2005 2032 2040 2150 2172
2233 2285 2352 2359 2390 2441 2442 2459 2487 2507
2517 2542 2543 2583 2597 2637 2639 2645 2751 2915
2918 2928 2969 3125 3132 3168 3187 3190 3238 3353
3382 3427 3468 3539 3564 3569 3598 3652 3678 3723
3806 3859 3865 3907 3911 3999 4008 4167 4236 4307
4410 4436 4562 4582 4602 4669 4709 4757 4826 4860
4938 4974 5092 5160 5254 5265 5379 5452 5502 5509
5557 5645 5658 5659 5686 5843 5946 5972 6038 6062
6080 6165 6294 6364 6412 6442 6495 6504 6513 6527
6549 6611 6646 6698 6795 6820 6856 6864 6950 7181
7193 7238 7251 7266 7289 7291 7398 7579 7624 7631
7687 7692 7724 7736 7772 7792 7899 7936 8064 8080
8118 8186 8318 8344 8346 8505 8552 8602 8609 8522
8627 8683 8687 8695 8773 8829 8879 8890 8910 8911
8935 8957 8960 8970 9001 9042 9159 9164 9173 8212
9329 9602 9605 9699 9766 9806 9853 9880 9890 9906
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR TORSA MORNING
WEDNESDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:117 DrawDate on:22/02/23
1st Prize ₹1 Crore/- 38K 58161
(Excluding Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 58161 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
03965 42620 43008 62230 65836 67191 67612 73501 74791 74960
3rd Prize ₹450/-
1597 2326 3297 5901 6011 6268 6415 6502 9162 9507
4th Prize ₹250/-
1609 2936 4994 5202 5244 6984 7315 7394 9051 9787
5th Prize ₹120/-
0018 0249 0540 0841 1071 1135 1328 1410 1485 1558
1970 2362 2408 2422 2438 2518 2583 2616 2746 2788
2882 2887 2945 3049 3079 3097 3133 3156 3208 3256
3330 3533 3606 3804 3832 3868 4311 4401 4551 4661
4716 4774 4925 5097 5099 5104 5123 5278 5402 5826
5897 5910 5975 6090 6262 6354 6446 6564 6656 6665
6679 6867 6915 6928 6953 6974 6987 6991 7077 7112
7496 7534 7551 7681 7731 7767 8046 8093 8169 8206
8226 8284 8357 8457 8635 9004 9027 9105 9263 9343
9353 9402 9446 9501 9684 9846 9880 9886 9934 9951
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR MERCURY WEDNESDAY
WEEKLY LOTTERY
Draw No:117 DrawDate on:22/02/23
1st Prize ₹1 Crore/- 91H 29283
(Excluding Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 29283 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
07236 10035 18112 18282 47473 67082 68144 75744 86410 90788
3rd Prize ₹450/-
0107 0219 3590 5798 5939 6111 6357 8036 9160 9551
4th Prize ₹250/-
2299 2928 2959 3287 4217 4864 6360 8779 8965 9411
5th Prize ₹120/-
0140 0199 0210 0286 0384 0553 0651 0693 0744 0827
0983 1012 1100 1201 1247 1253 1745 1820 2079 2124
2136 2140 2166 2190 2348 2350 2418 2446 2454 2493
2508 2527 2583 2712 2793 2820 2917 3036 3079 3097
3233 3354 3391 3398 3441 3777 3793 3804 3990 4143
4242 4403 4470 4608 4715 4774 5030 5045 5143 5193
5512 5563 5576 5662 5851 5920 6026 6120 6181 6264
6475 6495 6545 6638 6696 6788 6838 7200 7268 7337
7505 7537 7680 7815 7936 8150 8235 8237 8261 8288
8302 8742 8781 8805 8989 9045 9049 9618 9748 9827
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR EAGLE EVENING
WEDNESDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:217 DrawDate on:22/02/23
1st Prize ₹1 Crore/- 98G 83588
(Excluding Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 83588 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
04954 07158 24629 34322 55127 58056 76546 87701 90869 99332
3rd Prize ₹450/-
0012 2437 3026 4303 5372 5584 6163 6422 7682 7803
4th Prize ₹250/-
0587 1488 1573 1625 1808 2550 3348 4736 4939 5292
5th Prize ₹120/-
0009 0011 0024 0138 0173 0214 0274 0630 0696 0729
1047 1080 1128 1290 1502 1566 1580 1587 1641 1710
1798 1271 2122 2139 2321 2404 2524 2526 2555 2582
2739 3202 3254 3317 3394 3589 3614 3957 4134 4187
4288 4309 4325 4368 4384 4437 4624 4820 5037 5157
5279 5406 5412 5463 5474 5564 5682 5815 5910 5944
5965 6017 6309 6328 6453 6635 6833 6845 6949 6970
7208 7210 7262 7286 7309 7491 7529 7612 7672 7711
7747 7779 7810 7920 8091 8220 8268 8346 8380 8535
8569 8764 8820 8887 9148 9237 9513 9725 9949 9958
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR KOSAI MORNING
SATURDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:117 DrawDate on:25/02/23
1st Prize ₹1 Crore/- 88K 10936
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 10936 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
08808 10699 20715 29579 30745 47205 58784 61077 81728 96618
3rd Prize ₹450/-
0497 0708 0749 1698 2776 5167 7080 7323 7782 8907
4th Prize ₹250/-
1651 1692 2473 3782 5123 5164 5675 6929 8492 9786
5th Prize ₹120/-
0049 0321 0448 0464 0626 0659 0766 0864 0901 1006
1039 1301 1329 1356 1397 1407 1556 1622 1632 1635
1710 1745 1779 1924 1973 2133 2140 2272 2310 2626
2718 2738 2752 2817 2980 2994 3070 3094 3215 3524
3732 4027 4032 4144 4186 4267 4279 4302 4328 4399
4421 4758 4785 4787 4886 5006 5021 5259 5302 5306
5340 5475 5512 5578 5628 5724 5782 5950 5954 6240
6308 6321 6384 6476 6495 6665 6668 6841 7135 7287
7931 7951 7986 8107 8179 8325 8755 8771 8871 9036
9048 9159 9490 9731 9781 9864 9889 9918 9951 9967
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR MARS SATURDAY
WEEKLY LOTTERY
Draw No:117 DrawDate on:25/02/23
1st Prize ₹1 Crore/- 91B 76882
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 76882 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
09487 20372 26450 43549 54714 55970 62974 70133 85992 91294
3rd Prize ₹450/-
0831 2102 2360 3172 4776 5010 5910 6971 9397 9841
4th Prize ₹250/-
1446 1732 4167 5093 5858 6819 7559 8283 8319 9161
5th Prize ₹120/-
0026 0064 0088 0297 0417 0432 0501 0514 0543 0573
0626 0647 0730 0756 0875 1059 1218 1223 1309 1458
1531 1538 1761 1929 2003 2130 2166 2203 2506 2520
2628 2706 2848 2928 3008 3138 3152 3159 3348 3396
3461 3500 3514 3542 3565 3620 3630 3961 4203 4254
4274 4643 4786 4833 4854 4883 5175 5295 5297 5339
5397 5508 6031 6289 6310 6390 6464 6491 6649 6938
7013 7052 7075 7209 7390 7435 7490 7624 7755 7807
7927 7954 8036 8340 8443 8471 8867 8975 9005 9038
9307 9382 9494 9552 9634 9647 9744 9771 9852 9886
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagaland.Lotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR OSTRICH EVENING
SATURDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:217 DrawDate on:25/02/23
1st Prize ₹1 Crore/- 92K 19473
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 19473 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
20349 22938 23526 45012 54900 66202 68822 76576 91587 98016
3rd Prize ₹450/-
1394 1911 2580 4207 6255 6448 7040 7290 9520 9771
4th Prize ₹250/-
1518 2085 2182 3306 3678 3698 5869 8627 9331 9526
5th Prize ₹120/-
0126 0158 0278 0398 0470 0487 0555 0592 0597 0598
0679 0877 0886 0976 0979 1248 1410 1547 1609 1651
1714 1957 2059 2161 2477 2629 2641 2664 2998 3293
3331 3366 3481 3537 3552 3934 3937 3965 3969 4062
4076 4210 4572 4739 4800 4873 5037 5250 5259 5313
5412 5475 5953 6081 6141 6204 6271 6306 6390 6414
6426 6434 6690 6772 7083 7085 7148 7208 7230 7253
7399 7604 7716 7741 7811 7926 7950 8019 8118 8450
8587 8622 8656 8685 8825 8934 8935 9086 9094 9168
9326 9450 9483 9518 9561 9708 9748 9825 9856 9975
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagaland.Lotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

अराजकता के पांव

पंजाब में अमृतसर के अजनाला में एक पुलिस थाने में गुरुवार को जैसे हालात हो गए थे, उससे एकबारगी यह लगा कि शायद राज्य में कानून-व्यवस्था ढह चुकी है और अराजकता हावी है। हालांकि यह कहा जा सकता है कि ऐसी अप्रत्याशित स्थिति कहीं भी आ सकती है, लेकिन अगर इसके बरक्स पुलिस और शासन-व्यवस्था एकदम लाचार और इससे भी आगे उपद्रवियों के सामने समर्पण करती हुई दिखाई दे तब ऐसे में आम जनता अपनी सुरक्षा की उम्मीद किससे करेगी! दरअसल, वहां पुलिस ने लवप्रीत सिंह नाम के व्यक्ति को अपहरण समेत कई अन्य आरोपों में गिरफ्तार किया गया था। लवप्रीत सिंह को वहां एक कट्टरतावादी सिख संगठन वारिस पंजाब दे के प्रमुख अमृतपाल सिंह का करीबी माना जाता है, जो उसे रिहा कराने के मकसद से हजारों समर्थकों के साथ अजनाला थाने पर पहुंच गया गया था। भीड़ में कई लोग बंदूक और तलवार से भी लैस थे। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि भीड़ के तेवर और दबाव के सामने वहां मौजूद पुलिसकर्मी लाचार दिखे। यों प्रदर्शनकारियों से सीधे हिंसक तरीके से ही निपटना कोई बेहतर विकल्प नहीं माना जाता है, लेकिन एक तरह से समूचे प्रशासन का मूकदर्शक रहना एक विचित्र स्थिति थी। हैरानी की बात यह है कि अजनाला थाने का घेराव दिखने में अचानक हुई घटना लगती है, मगर सच यह है कि इसकी पृष्ठभूमि कई दिनों से तैयार हो रही थी और शायद पुलिस ने सुचिंतित तरीके से इस मामले से निपटने के लिए समय रहते कदम नहीं उठाए। सवाल है कि क्या अपने एक व्यापक तंत्र के बावजूद वहां की पुलिस को कट्टरतावादी संगठन के मुद्दे, उनके काम करने के तरीके और उसके संरक्षकों की प्रतिक्रिया का अंदाजा नहीं था?

अगर किसी संवेदनशील मामले में पुलिस ने इस संगठन के किसी व्यक्ति को गिरफ्तार किया भी था, तो क्या इससे पहले पूरी तैयारी जरूरी नहीं थी? आखिर क्या वजह है कि थाने पर हमले के बाद पैदा हुई स्थिति में पुलिस को अपना रुख नरम करना पड़ा? लवप्रीत सिंह की गिरफ्तारी के आधार कितने मजबूत थे कि अजनाला की एक अदालत ने उसे रिहा करने में ज्यादा वक्त नहीं लगाया? अगर महज उसके समर्थकों के प्रदर्शन के दबाव में आकर पुलिस ने अपने कदम पीछे खींचे तो इसे कानून-व्यवस्था के लिहाज से कैसे देखा जाएगा?

गौरतलब है कि वारिस पंजाब दे और उसके मुखिया अमृतपाल सिंह को खालिस्तान से सहानुभूति रखने वाला माना जाता है। अगर इस धारणा में सच्चाई है तो समझा जा सकता है कि इस संगठन की चुनौती अब मौजूदा संदर्भों में किस रूप में खड़ी हो रही है। पंजाब में अतीत के दिन आज भी बहुत सारे लोग भूल नहीं सके होंगे और कोई नहीं चाहेगा कि वह त्रासदी फिर से खड़ी हो। लेकिन सरकार और पुलिस-प्रशासन का रवैया अगर बेहद सुचिंतित, परिपक्व और सावधानी से भरा नहीं रहा तो आने वाले वक्त में छोटी-छोटी घटनाएं कैसा मोड़ लेंगी, कहा नहीं जा सकता!

यह छिपा तथ्य नहीं है कि पंजाब में जब से आम आदमी पार्टी की सरकार बनी है, तब से कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर कई बार ऐसी हालत देखी गई है, मानो आपराधिक तत्त्वों को बेलगाम होने का मौका मिल गया हो। जबकि चुनावों के दौरान पार्टी ने राज्य की जनता से कानून-व्यवस्था को पूरी तरह दुरुस्त करने से लेकर नशामुक्ति जैसे कई बड़े वादे किए थे। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि पंजाब देश का सीमावर्ती और संवेदनशील राज्य है। ऐसे में मामूली कोताही की वजह से भी कोई साधारण समस्या भी जटिल शक्ल अख्तियार कर ले सकती है।

व्यवस्था में गृहिणी की जगह

मोनिका शर्मा

हाल ही में केरल उच्च न्यायालय ने केरल राज्य सड़क परिवहन निगम को एक सड़क हादसे में पीड़िता को इस आधार पर मुआवजा देने से इनकार करने पर फटकार लगाई कि पीड़िता गृहिणी है। वह कोई पैसा नहीं कमाती, इस वजह से वह दिव्यांगता और अन्य सुविधाओं के लिए मिलने वाले मुआवजे की सुपात्र नहीं है। न्यायालय ने इस तर्क को अपमानजनक और समझ से परे बताया।

न्यायालय ने कहा कि हादसे के लिए मुआवजा एक गृहिणी और कामकाजी महिला के लिए समान होना चाहिए। गृहिणी भी अपने परिवार को पूरा समय देती है। इस मामले में अदालत ने गृहिणी की भूमिका को राष्ट्र निर्माता बताते हुए बेहतर मुआवजा देने का आदेश दिया। दरअसल, घरेलू मोर्चे पर सब कुछ संभालने के बावजूद महिलाओं को कुछ न करने वाली भूमिका में देखा जाना हमारे यहां आम बात है। घर की जिम्मेदारियां संभालने वाली इन महिलाओं की आय को मौद्रिक रूप में न आंके जाने के कारण उनकी आपाधापी और योगदान को जरा कम करके ही देखा जाता है।

सामाजिक-पारिवारिक बर्ताव से लेकर महिलाओं के लिए बनने वाली नीतियों और योजनाओं की रूपरेखा तक पर, उन्हें कमतर समझने की इस सोच का असर साफ दिखता है। तभी तो गृहिणियों के लिए कहीं कोई विशेष प्रावधान नजर नहीं आता। जबकि गृहिणियां अपने से ज्यादा प्राथमिकता अपनों और अपने से जुड़े संबंधों को देती हैं। ऐसे में गृहिणी की भूमिका पर न्यायाधीश का यह कहना कि एक मां और पत्नी के रूप में उनका योगदान अमूल्य है, वाकई विचारणीय है। इसका सीधा संदेश यही है कि महिलाओं की आम-सी लगने वाली इस भूमिका को खास नजरिए से समझा जाना आवश्यक है।

गौरतलब है कि 2020 में मुंबई हाईकोर्ट ने भी एक महत्त्वपूर्ण आदेश में एक महिला की सड़क दुर्घटना में हुई मौत के मामले में उसके परिजनों को मुआवजा देने का आदेश दिया था। अदालत ने वाहन दुर्घटना पंचाट के उस आदेश को खारिज कर दिया था, जिसमें महिला के परिजनों को उसके गृहिणी होने की वजह से मुआवजा देने से इनकार किया गया था। तब भी न्यायालय ने बेहद संवेदनशील टिप्पणी की थी कि गृहिणी के रूप में एक महिला की भूमिका एक परिवार में सबसे महत्त्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण होती है।

वास्तव में वह भावनात्मक रूप से परिवार को एक साथ रखती है। वह घर में पति का सहयोग करने वाला एक स्तंभ, अपने बच्चों के लिए एक मार्गदर्शक और परिवार के बुजुर्गों के लिए आश्रय की तरह होती है। वह एक दिन की भी छुट्टी लिए बिना दिन-रात काम करती है, भले वह कामकाजी महिला हो या न हो।

हालांकि, वह जो काम करती है, उसकी कोई सराहना नहीं होती और उसे नौकरी नहीं माना जाता है। एक महिला द्वारा घर में दी जाने वाली सेवाओं को मौद्रिक दृष्टि से गिनना एक असंभव कार्य है, जो सैकड़ों घटकों से मिलकर बने होते है।

कोरोना काल में गृहिणियों द्वारा न केवल अपनों, बल्कि आस-पड़ोस के लोगों तक भी मदद पहुंचाने के कई उदाहरण सामने आए थे। घर तक सिमटी जिंदगी के तकलीफदेह दौर में भी घरेलू महिलाओं ने हर आपाधापी से जूझते हुए अपनों को संभाला था।

दरअसल, न्यायिक मामलों में आई ये टिप्पणियां कहीं न कहीं समाज और परिवार को भी सजग करने वाली हैं। घरेलू महिलाओं की भागीदारी को लेकर सही मायने में जागरूक करती है। यकीनन, श्रम की अनदेखी और उपेक्षापूर्ण बर्ताव के मोर्चे पर समग्र समाज में जागरूकता और संवेदनशीलता जरूरी है। यों भी विभिन्न संस्थानों और संगठनों से लेकर घरेलू स्त्रियों के सगे-संबंधियों तक, सभी को उनकी इस सिमटी-सी दिखने वाली भूमिका के विस्तृत दायित्वों को समझने का प्रयास करना ही चाहिए।

गौरतलब है कि पिछले साल ऐसे ही एक मामले में गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने कहा था कि गृहिणियां काम नहीं करतीं या वे घर में आर्थिक योगदान नहीं देतीं, यह धारणा ही समस्यापूर्ण है। कई वर्षों से ऐसी समझ कायम है और इसे दूर किया जाना चाहिए। समझना मुश्किल नहीं कि एक गृहिणी की बहुआयामी भूमिका को सही ढंग से समझे बिना उनके हिस्से सहयोग और सम्मान भी नहीं आ सकता। ऐसे में उपेक्षापूर्ण व्यवहार-विचार से उपजी अनदेखी उनके मान और मनोबल को ठेस पहुंचाती है।

बावजूद इसके, अपनों-परायों का यह रुख कमोबेश दुनिया के हर भूभाग की गृहिणियों के हिस्से आता है, जबकि सच तो यह है कि उनके अवैतनिक कार्यों का मोल आंकना लगभग नामुमकिन है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की 2021 की रिपोर्ट बताती है कि विश्व में महिलाएं अवैतनिक घरेलू कार्यों के लिए कुल घंटों का छिहत्तर फीसद समय देती हैं। एशियाई देशों में यह आंकड़ा अस्सी फीसद से भी ज्यादा है।

हमारे देश में ऐसी महिलाओं की आबादी करीब बीस करोड़ है। हर महीने उनके अवैतनिक घरेलू कार्यों का मौद्रिक आकलन औसतन चालीस हजार करोड़ रुपए तक पहुंचता है।

वहीं आक्सफैम की टाइम टू केयर की रिपोर्ट कहती है कि दुनिया भर में आधी आबादी साल भर में करीब दस हजार अरब डालर के अवैतनिक घरेलू कार्य करती है। ऐसे में उनकी इस भागीदारी का मोल समझना और स्वीकार करना आवश्यक है। यह स्वीकार्यता और समझ अपने ही आंगन में उनके काम को मान दिलाने की पहली शर्त है।

यह कड़वा सच है कि गृहिणियों को दूसरों पर निर्भर व्यक्तित्व के रूप में ही देखा जाता है। जबकि आर्थिक रूप से सक्षम और कामकाजी मोर्चों पर व्यस्त परिजनों के जीवन की संभाल उनके ही हिस्से होती है। अपनी जिम्मेदारियां उठाने की व्यस्तता कामकाजी क्षेत्र में उनकी उत्पादकता को ही घटाएगी। ऐसे में परोक्ष रूप से हर गृहिणी अर्थोपार्जन की गतिविधियों में भागीदार होती है। हालांकि इसे समझने का भाव आज भी नदारद है। यही वजह है कि अब दुनिया के हर हिस्से में घरेलू मोर्चे पर डटी महिलाओं की भूमिका का आर्थिक मूल्यांकन करने की बात उठ रही है।

बीते साल चीन में तलाक के मामले में आया एक फैसला काफी चर्चित हुआ था। उसमें न्यायालय ने कहा था कि शादी के बाद महिला ने पति के घर में पांच साल काम किया, इसलिए उसे पांच लाख रुपए का मुआवजा मिलना चाहिए। वह आदेश ऐतिहासिक माना गया। उसके बाद वहां घर के कामों के मेहनताने को लेकर बहस भी शुरू हुई। यह दुनिया के हर देश, हर समाज और हर परिवार से जुड़ा संवेदनशील विषय है।

दरअसल, अनगिनत जिम्मेदारियां निभाने वाली गृहिणी की पारिवारिक, सामाजिक और आर्थिक भागीदारी की अनदेखी कई मोर्चों पर तकलीफदेह है। इस उपेक्षा के चलते गृहिणियों में अवसाद और आत्महत्या के आंकड़े भी बढ़ रहे हैं। उनके श्रम और सहभागिता को मान न मिलना अपराधबोध को भी जन्म देता है।

नतीजतन, बहुत-सी शारीरिक, मानसिक व्याधियां भी उन्हें घेर लेती हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के अनुसार 2019 में सर्वाधिक खुदकुशी करने वालों में दिहाड़ी मजदूरों के बाद गृहिणियों के आंकड़े ही रहे। ऐसे में उनके जीवन की सहजता के लिए समग्र समाज का इस भेदभावपूर्ण मानसिकता से बाहर आना आवश्यक है। उनके श्रमशील व्यक्तित्व की आपाधापी को समझना जरूरी है।

घर तक सिमटी जिंदगी जी रही महिलाओं की मन:स्थिति समझने का परिवेश बनाने की दरकार है। सबके मन को समझने वाली महिलाओं के लिए भी समाज और परिवार का संबल आवश्यक है। यही वजह है कि ऐसे न्यायिक निर्णय समाज के लिए अहम संदेश लिए होते हैं। नए विमर्श को जन्म देते हैं।

आर्थिक तरक्की और युवा स्वाभिमान

सुरेश सेठ

भारत में कृषि की प्रकृति यह है कि यहां किसानों को मौसमी रोजगार मिलता है, यानी फसल के बोने और काटने के समय का रोजगार। भारतीय खेती छिपी हुई बेरोजगारी का मर्ज है। नौजवान खेतों में काम करते हैं, लेकिन परिवार की निबल आय में बढ़ोतरी नहीं होती। इसीलिए युवा अब खेती-बाड़ी को अपना पैतृक धंधा नहीं मानते।

भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन गया है। निस्संदेह यह सफलता उल्लेखनीय है, लेकिन इस युवा देश की लगभग आधी जनसंख्या, जो पैंतीस वर्ष उम्र तक की श्रमशक्ति है, एक बात पूछती है कि देश ने चाहे किसी को भी भूख से न मरने देने की गारंटी दे दी हो, मगर उसने नौजवानों को उनकी योग्यता के अनुसार रोजगार प्रदान करने की गारंटी क्यों नहीं दी?

बेशक काम तलाशते नौजवानों को धीरज बंधाने के लिए विश्व में कीर्तिमान स्थापित करती रियायती अनाज बांटने की योजना इस साल के अंत तक बढ़ा दी गई है और अस्सी करोड़ से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल रहा है। भारत की आर्थिक विकास दर इस समय दुनिया में सबसे अधिक हो गई है और उधर दुनिया रूस और यूक्रेन युद्ध, चीन और ताइवान की तनातनी के बीच अवसादग्रस्त मंदी झेल रही है और उसकी औसत विकास दर दो से तीन प्रतिशत से ऊपर नहीं है। हमारा देश छह प्रतिशत से ऊपर विकास दर दिखा रहा है। सन 2047 का शतकीय महोत्सव मनाने के समय देशवासियों को एक विकसित राष्ट्र में जीने का वादा कर रहा है।

मगर सवाल है कि महंगाई नियंत्रण की दर काबू में तो आ गई, सरकार ने कह दिया कि भ्रष्टाचारियों के प्रति कोई ढिलाई नहीं होगी, मगर यह क्यों नहीं बताया जा रहा कि कोरोना काल और उसके बाद की विकट स्थिति में इस समय देश में बेकारी की दर अपना शिखर छू रही है। पहले कभी बेरोजगारी की दर इतनी ऊंचाई तक नहीं गई। नए आंकड़े बता रहे हैं कि ग्रामीणों में बेकारी की दर कुछ कम और शहरी आबादी में अधिक है।

भारत में कृषि की प्रकृति यह है कि यहां किसानों को मौसमी रोजगार मिलता है, यानी फसल के बोने और काटने के समय का रोजगार। भारतीय खेती छिपी हुई बेरोजगारी का मर्ज है। नौजवान खेतों में काम करते हैं, लेकिन परिवार की निबल आय में बढ़ोतरी नहीं होती। इसीलिए युवा अब खेती-बाड़ी को अपना पैतृक धंधा नहीं मानते। जीने का अंदाज नहीं मानते। काम या रोजगार की तलाश में उनकी कतारें दूतावासों के बाहर वीजा प्राप्त करने के लिए लगती हैं। वे किसी भी तरह डालर या पौंड देशों में पहुंच कर अपने भाग्य का मिजाज बदल देना चाहते हैं, जिसे वंचित रहने की आदत हो गई है।

आक्सफैम इंडिया की ताजा रिपोर्ट बताती है कि तरक्की तो हुई, लेकिन देश में अमीर और गरीब का अंतर भी तेजी से बढ़ा है। इतनी तेजी से बढ़ा कि भारत में सबसे अधिक एक प्रतिशत लोग देश की चालीस प्रतिशत कुल संपदा पर कब्जा जमाए बैठे हैं। महिला सशक्तिकरण की बातें होती हैं, लेकिन 2020 की आक्सफेम रिपोर्ट कहती है कि महिलाओं को दुनिया में सबसे कम रोजगार देने वाले देशों के कोष्ठक में भारत दसवें नंबर पर है।

संसद के हर सत्र में हर बात पर हंगामा होता है, कोलाहल होता है। कभी तवांग घाटी में चीनी सैनिकों की धक्कामुक्की पर, जो मानसून सत्र में हुआ। जैसे अब बजट सत्र में अडाणी या हिंडनबर्ग की रिपोर्ट पर हुआ। मगर पूछा जाता है कि वहां और सब चर्चा हो जाती है, लेकिन नौजवानों की बेकारी की समस्या के समाधान पर विशेष चर्चा क्यों नहीं होती? इसके बारे में क्यों यह कह दिया जाता है, जैसा कि इस बजट सत्र में वित्तमंत्री ने भी कहा, कि हम युवाओं को विशिष्ट प्रशिक्षण देंगे और उन्हें नौकरियों के काबिल बनाएंगे।

पूछा जा सकता है कि नौकरी के काबिल तो बना देंगे, लेकिन नौकरियां हैं कहां? सालों से कच्ची असामियां पक्की होने के लिए तरस रही हैं और अभी एक राज्य की ओर से यह समाचार आ गया कि मितव्ययिता के लिए खाली असामियों को खत्म ही कर दिया जाएगा, नए असामियों की बात तो छोड़िए। तो फिर कच्ची असामियां पक्की कैसे होंगी?

माना गया था कि देश में सूचना तकनीक क्षेत्र में तरक्की होगी। देश डिजिटल हो जाएगा और उसके साथ नौजवानों को भी रोजगार मिलने लगेगा। नई शिक्षा नीति में कहा गया कि इसे रोजगारपरक बनाया जाएगा। अभी इंटरनेट की गति को 5जी तक बढ़ाने की घोषणा भी हो गई, लेकिन नतीजा क्या? आक्सफेम इंडिया की रिपोर्ट ने तो यही बताया कि भारत की कहानी यह है कि अमीर और अमीर होते रहे, गरीबों की विपन्नता बढ़ गई।

नई खबर यह है कि 5जी की ताकत बढ़ने के साथ देश के नवनिर्माण के बजाय ठगों के व्यवसाय में वृद्धि हो गई। दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के साथ उत्पादन को बढ़ावा देने की बात थी, लेकिन भारत की छोड़िए, अमेरिका में ही पिछले माह तकनीकी कंपनियों में बयालीस हजार छंटनियां हो गर्इं। इसको रोबोटनुमा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस ने पैदा कर दिया। विसंगति यह कि छंटनी की रिपोर्ट बनाने में भी इसी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का योगदान रहा।

यह तो गनीमत है कि आइटी में छंटनी बढ़ी तो बीमा, बैंकिंग और वाहन उद्योग जैसे क्षेत्रों में भर्तियों की गुंजाइश बढ़ गई। बीमा में तिरानबे प्रतिशत भर्ती बढ़ी, तेल में छब्बपन प्रतिशत, सेवा में तिरपन प्रतिशत, सोना-जवाहरात में तिरालीस प्रतिशत और बैंकिंग में सैंतीस प्रतिशत। संपदा निर्माण में इकतीस प्रतिशत नौकरियां बढ़ गर्इं। मगर ध्यान दीजिए, ये सभी लाभ मध्यवर्ग को हो रहे हैं।

देश का मजदूर और किसान कहां नौकरी तलाश करे? यह सही है कि इस बजट में वित्तमंत्री ने प्रशिक्षण के लिए कई योजनाओं की घोषणा की है, मगर दूसरी ओर वरिष्ठ पेशेवरों की मांग भी उनतीस प्रतिशत बढ़ गई है। एक और बात, नौकरियां देने में गैर-मैट्रो शहर आगे-आगे हैं। सरकार तो कहती है कि रोजगार क्षेत्र में मजबूती बनी हुई है और यह मजबूती आइटी क्षेत्र की नियुक्तियों में पच्चीस प्रतिशत गिरावट के बावजूद दर्ज हुई है। मगर यह मजबूती या वृद्धि मात्र दो प्रतिशत है।

वैसे टेलीकाम, खुदरा या दवा कारोबार क्षेत्र की खबर यह है कि जनवरी में नियुक्तियों में सालाना आधार पर नौ प्रतिशत, आठ प्रतिशत और चार प्रतिशत की कमी आई है। अगर नौकरियों की इस जटिल समस्या पर विशद चर्चा होती, तो ये नतीजे बाहर आ जाते। अब जब ये सत्य सर्वेक्षण जाहिर कर रहे हैं तो क्या जरूरी नहीं है कि देश में युवा पीढ़ी को नौकरियां देने के लिए काम का ढंग बदला जाए? कोविड महामारी में बहुत से नौजवान उखड़ कर अपने ग्रामीण परिवेश में चले गए हैं।

उन्हें वहां से फिर महानगरों में नौकरियों की ओर आने की प्रेरणा देने के बजाय अगर लघु और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देकर सहकारिता की भावना पैदा करके उनके अपने स्टार्टअप उद्योगों को बढ़ावा दिया जाए तो निश्चय ही बेकारी की यह समस्या हल हो जाएगी। बेकारी की समस्या का फिलहाल यही हल नजर आता है कि नौजवान नौकरियां तलाशने के बजाय नौकरियां देने वाले बनें।

कहा जा रहा है कि देश का सरकारी और निजी क्षेत्र अधिक से अधिक तीस प्रतिशत युवाओं को रोजगार दे सकता है। शेष सत्तर प्रतिशत नौजवान अगर लकीर से हटकर नए उद्योगों की ओर रुख करें और ऐसे रोजगार प्रदान करने का एक स्वत:स्फूर्त उद्योग जगत बना दें, जिसमें नौकरियां तलाशने वाले हाथ न फैलाएं, रोजगार दफ्तरों के द्वार न खटखटाएं। अपने विशिष्ट प्रशिक्षण के साथ उदार साख नीति की सहायता से आत्मनिर्भर होकर देश के नवनिर्माण की ओर जुटें। इसके लिए शायद न केवल भाग्यनियंताओं को अपनी दृष्टि बदलने की जरूरत है, बल्कि युवा पीढ़ी को एक यथार्थवादी धरातल देने की भी है, जहां वे स्वावलंबी हो सकें।

मर्यादा की हदें

राजनीति में पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप कोई गलत बात नहीं, बशर्ते वह मर्यादा के भीतर हो। मगर हमारे राजनीतिक दल और राजनेता शायद इस तकाजे को भुलाते जा रहे हैं या फिर राजनीति का स्तर ही सिद्धांतों और मुद्दों से खिसक कर व्यक्तिगत छींटाकशी पर उतर आया है। इसके अनेक उदाहरण राजनीतिक दलों और सत्ता के शीर्ष तक मौजूद हैं। इसका ताजा उदाहरण कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा के बयान में दिखा, जब उन्होंने प्रधानमंत्री के निजी जीवन पर हमला बोला। स्वाभाविक ही उसे लेकर भारतीय जनता पार्टी में रोष पैदा हुआ। उनके खिलाफ कई जगह मुकदमे दर्ज कराए गए। उसी क्रम में असम की पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने दिल्ली पहुंच गई।

मगर उसने गिरफ्तारी का जो तरीका अपनाया और जो समय चुना, वह किसी को भी उचित नहीं लगा। खेड़ा पार्टी के अधिवेशन में हिस्सा लेने रायपुर जा रहे थे। हवाई जहाज में बैठ चुके थे। तब उन्हें जहाज से उतार कर गिरफ्तार किया गया। इसे लेकर खासा हंगामा हुआ और आखिरकार उस मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने दखल दिया, तब वह शांत हो सका। उचित ही इसे लेकर सरकार के रवैए पर भी सवाल उठे। इसलिए कि यह ऐसा मामला नहीं था, जिसमें गिरफ्तारी के लिए ऐसी हड़बड़ी दिखाई जाए।

यह पहली बार नहीं है, जब किसी राजनेता के अभद्र, उत्तेजक और जानबूझ कर मानहानि करने वाले बयान पर अदालत ने फटकार लगाई या संयम बरतने की नसीहत दी। पवन खेड़ा की गिरफ्तारी पर रोक लगाते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि आप लोगों को संयम बरतना चाहिए। मगर यह बात कांग्रेस को कितनी समझ आई, कहना मुश्किल है। खेड़ा को रिहाई मिलते ही कांग्रेस के नेताओं ने अपनी सफाई में तमाम वे बयान साझा करने शुरू कर दिए, जो प्रधानमंत्री ने विभिन्न मौकों पर दिए थे। इस तरह गड़े मुर्दे उखाड़ कर एक तरह से अपने कार्यकर्ताओं और समर्थकों को उकसाया जाने लगा।

इससे लगता नहीं कि दोनों पार्टियों के नेता आने वाले वक्त में भी ऐसी अशोभन टिप्पणियों से बाज आने वाले हैं। सार्वजनिक जीवन में राजनेताओं का आचरण नीचे के कार्यकर्ताओं के लिए अनुकरणीय बन जाता है, इसलिए अगर कोई दल या नेता किसी गलत परंपरा या आचरण को उचित ठहराने पर तुल जाता है, तो उसका असर पूरे समाज पर दिखाई देने लगता है। मगर शायद राजनीतिक दलों को इसकी परवाह नहीं, उन्होंने मान लिया है कि सड़कछाप भाषा से जनाधार मजबूत होता है।

बड़बोलापन इस बात में नहीं कि कोई छींटाकशी करे, तो आप भी उसका जवाब उसी लहजे में दें। असम पुलिस ने जिस तरह पवन खेड़ा को गिरफ्तार किया, उस पर भी सवाल उचित हैं। उसकी तत्परता से स्पष्ट हो गया कि उसकी कार्रवाई सत्ता प्रेरित है। अगर इस तरह उन्हें गिरफ्तार न किया जाता, तो शायद बहुत सारे लोगों का ध्यान उनके उस बयान की तरफ जाता भी नहीं। पर अब जो नहीं जानते थे, उन्हें भी पता लग गया। अगर किसी ने जुर्म किया है, तो उसके खिलाफ निस्संदेह कार्रवाई होनी चाहिए।

मगर अपराध की गंभीरता को देखते हुए कार्रवाई की जाती है। ऐसा नहीं हो सकता कि पुलिस खुद नियम-कायदों को ताक पर रख कर कार्रवाई करे। अगर असम सरकार इस मामले में थोड़ा संयम बरतती, तो उससे उसका बड़बोलापन ही जाहिर होता। इस तरह मर्यादाएं अब एक तरफ से नहीं, दोनों तरफ से टूटती नजर आती हैं। अफसोस कि जिन लोगों से आदर्श आचरण की अपेक्षा की जाती है, वही अमर्यादित आचरण करते देखे जाते हैं।

सोना सूख गया

चीन में हुनसेन नाम का राजा शासन करता था। वह बहुत कंजूस था। दान-पुण्य तो दूर, जनता की जरूरतें पूरी करने के लिए भी धन नहीं निकालता था। उसके पास सोने-चांदी का अपार भंडार था, लेकिन वह किसी की मदद नहीं करता था। राजा के महल से कुछ दूरी पर सिनचिन नामक एक वृद्ध की छोटी-सी झोंपड़ी थी। सिनचिन उस समय चीन का सबसे बुद्धिमान व्यक्ति माना जाता था। राजा की आदतों से वह भी परेशान था। अतः उसने राजा को सबक सिखाने की ठान ली।

एक दिन वह अपने मित्रों से सोने के नन्हे-नन्हे चार टुकड़े उधार लाया। उसने सोने के उन टुकड़ों को पीली चमकती हुई एक बड़ी छलनी में रखा और पास बहती नदी के किनारे जा बैठा। इस नदी पर राजा रोज स्नान करने आता था। सिनचिन ने दूर से ही राजा को आते हुए देखा। वह ऐसा अभिनय करने लगा, मानो छलनी में कुछ छान रहा हो। राजा ने उसके पास आकर पूछा, ल्लसिनचिन, यह क्या कर रहे हो? तुम्हें सुबह-सुबह रेत छानने की क्या आवश्यकता पड़ गई?

सिनचिन ने कहा, महाराज, मैं तो इस रेत में छिपा सोना ढूंढ़ रहा हूं.ङ्क

राजा कुछ कहता, इससे पहले ही सिनचिन ने छलनी भर रेत निकाली और छान दी। छलनी के ऊपर सोने के चार छोटे-छोटे टुकड़े चमक रहे थे।

राजा ने आश्चर्य से पूछा, ल्लरेत में सोना! यह कैसे किया?

सिनचिन ने समझाते हुए जवाब दिया, ल्लहुजूर, आज से महीना भर पहले मैंने सोने का एक छोटा सा टुकड़ा इस जगह पर बोया था। देखिए हुजूर, पूरे चार टुकड़े निकले हैं। यदि मैं कुछ और सब्र करता, तो यहां बहुत से टुकड़े मिलते।

राजा ने चौंकते हुए कहा, ल्लक्या बकवास करते हो? भला क्या सोने की भी खेती की जा सकती है?

सिनचिन ने कहा, क्यों नहीं हुजूर? आप खुद ही देख लीजिए। मैं तो गरीब आदमी हूं। पिछले दस वर्षों से इसी प्रकार सोना बोता हूं और काट लेता हूं। इसी सोने से मेरा पेट पलता है।

राजा ने नाराजगी भरे स्वर में कहा, तुमने मुझे पहले क्यों नहीं बताया? मेरे पास तो सोने का ढेर है। मुझे पता होता, तो मैं सारा सोना बो देता। आज तक तो मेरा महल सोने से भर गया होता।

इस पर सिनचिन ने कहा, हुजूर, अब भी देर नहीं हुई है। आप अब भी बो लीजिए। छह महीने बाद देखिएगा, तो फसल लहलहाती नजर आएगी।

राजा ने सिनचिन के कंधे पर हाथ रखते हुए जवाब दिया, देखो सिनचिन, तुम तो एक अनुभवी आदमी हो। मेरी ओर से तुम सोने की खेती करो। इसके लिए तुम्हें जितना सोना चाहिए, तुम ले सकते हो। आज ही मेरे साथ महल में चलो। इस काम के लिए तो तुम मेरे सेवकों को भी साथ ले सकते हो।

सिनचिन तो मानो इस मौके की प्रतीक्षा में था। वह तुरंत राजी हो गया। वह महल में गया और सोने के ढेरों टुकड़े ले आया। राजा ने अपने दस सेवक भी सिनचिन को मदद के लिए दे दिए।

देखते ही देखते, नदी के किनारे खुदाई का काम शुरू हो गया। सिनचिन के कहे अनुसार, सेवकों ने वहां पर सोना बीज की तरह बो दिया। ऊपर रेत डाल दी। सिनचिन ने राजा को आश्वासन दिया कि छह महीने बाद बोए हुए सोने का तीन गुना सोना मिल जाएगा।

इस बीच सिनचिन रोज रात को नदी किनारे जाने लगा। वहां पर वह रोज थोड़ा सा हिस्सा खोदता और वहां दबा सोना अपने झोले में रख लाता। अगले दिन सुबह ही वह सारा सोना गरीबों में बांट देता था। धीरे-धीरे जनता की गरीबी मिटने लगी।

इधर राजा इंतजार करता रहा कि कब छह महीने पूरे हों और उसे बोए हुए सोने का तीन गुना सोना मिले। धीरे-धीरे छह महीने भी पूरे हो गए। राजा ने सिनचिन को दरबार में बुलाया। उसे आदेश दिया कि वह सारा सोना खोद लाए। सिनचिन ने इस काम के लिए कुछ सेवकों की मांग की। राजा ने इस बार बीस सेवक उसके साथ कर दिए। सेवकों ने उस स्थान पर काफी गहराई तक खुदाई की, रेत को छाना। लेकिन सभी यह देखकर आश्चर्य में पड़ गए कि उसमें सिवाय दो-चार सोने के टुकड़ों के कुछ नहीं था। सिनचिन भागा-भागा राजा के पास पहुंचा। रोते हुए बोला, हुजूर, आपकी किस्मत खराब थी। जमीन में सोने के दो-चार सूखे हुए टुकड़ों के अतिरिक्त कुछ भी नहीं निकला है।

राजा ने आश्चर्य से पूछा, ल्लसूखे हुए टुकड़े! तुम्हारा मतलब क्या है? सिनचिन ने जवाब दिया, हां हुजूर, इस बार सारा सोना सूख गया है। आप तो जानते ही हैं, इस बार बारिश बिल्कुल नहीं हुई। सारी फसल सूख गई। आपका बहुत नुकसान हो गया इस बार।

हुनसेन ने डांटते हुए पूछा, भला सोना सूख कैसे सकता है? यह तो ठोस चीज है।

सिनचिन ने मुसकराते हुए कहा, हुजूर, आपने इतनी बातों पर विश्वास कर लिया कि सोना बोया जा सकता है, सोने की फसल लहलहा सकती है, सोना काटा जा सकता है। फिर भला इतनी सी बात पर विश्वास क्यों नहीं करते कि सोना सूख गया?

राजा निरुत्तर हो गया। मंत्रियों से सलाह ली, तो उन्होंने कहा, सिनचिन ठीक कहता है। वाकई यदि सोना बोया जा सकता है, तो सूख भी सकता है। अब तो राजा से कुछ कहते नहीं बना। वह सिर पकड़कर बैठ गया। सिनचिन ने कंजूस राजा को अच्छा सबक सिखा दिया था।

अंतरराष्ट्रीय शोध टीम ने खोजी कछुए की नई प्रजाति

एक अंतरराष्ट्रीय टीम के साथ मिलकर जर्मनी के सेनकेनबर्ग के वैज्ञानिक यूवे फ्रिट्ज ने आनुवांशिक विश्लेषण के आधार पर कछुए की एक नई प्रजाति के बारे में बताया है। अब तक माना जाता था कि 'जीनस चेलुस' कछुए की केवल एक ही प्रजाति है। अध्ययन में कहा गया है कि उन जानवरों की प्रजातियों के संरक्षण का पुनर्मूल्यांकन किया जाना चाहिए, जिनको अक्सर अवैध पशु व्यापार में बेच दिया जाता है। इस अध्ययन को साइंटिफिक पत्रिका मॉलिक्युलर फाइटोलेनेटिक्स एंड इवोल्यूशन में प्रकाशित किया गया है।

इस प्रजाति का नाम माता-माता बताया गया है, जो पानी के नीचे कीचड़ में छिपे रहते है, इनकी लंबाई 53 सेंटीमीटर तक होती है। ये शैवाल से ढकी चट्टानों की तरह दिखते हैं। लेकिन जब कोई शिकार करने लायक जानवर सामने आता है, तो कछुआ उसे अचानक अपना बड़ा मुंह खोलकर उसे चूसकर पूरा निगल जाता है। ड्रेसडेन में सेनकेनबर्ग प्राकृतिक इतिहास संग्रह के प्रोफेसर डॉ.यूवे फ्रिट्ज बताते हैं यद्यपि ये कछुए अपने विचित्र रूप और असामान्य खाने के व्यवहार के कारण व्यापक रूप से जाने जाते हैं, लेकिन उनकी विविधता और आनुवांशिकी के बारे में बहुत कम जानकारी है। फ्रिट्ज कहते हैं अब हमने यह मान लिया कि इस कवचवाले सरीसृप की केवल एक प्रजाति है जो पूरे दक्षिण अमेरिका में व्यापक रूप से फैली हुई है।

लेकिन ऐसी प्रजातियां, जिन्हें लुप्तप्राय नहीं माना जाता है, वे आश्चर्यजनक हो सकती हैं। आनुवंशिक विश्लेषण के आधार पर, उन्हें अक्सर दो या अधिक स्वतंत्र प्रजातियों में विभाजित किया जाता है। कई अध्ययनों से पता लगा है कि माता-माता कछुए अमेजन बेसिन की तुलना में ओरिनोको नदी में अलग दिखते हैं। ड्रेसडेन के वैज्ञानिक कहते हैं इस अवलोकन के आधार पर, हमने इन जानवरों के जेनेटिक बनावट पर बारीकी से नजर रखने का फैसला किया है।

75 डीएनए नमूनों का उपयोग करते हुए, शोधकर्ताओं ने बताया कि पिछली मान्यताओं के विपरीत, माता-माता कछुओं की आनुवंशिक और दिखने में भी भिन्न-भिन्न दो प्रजातियां हैं। नई प्रजातियां चेलुस ओरिनोकेन्सिस ओरिनोको और रियो नीग्रो बेसिन में निवास करती हैं, जबकि चेलुस फिम्ब्रिआटा के रूप में जानी जाने वाली प्रजाति विशेष रूप से अमेजॅन बेसिन तक सीमित है।

अध्ययन के अनुसार, लगभग 1 करोड़ 30 लाख साल पहले दोनों प्रजातियां मियोसीन के दौरान विभाजित हो गईं थी। इस अवधि के दौरान, पूर्व अमेजॅन-ओरिनोको बेसिन में जानी पहचानी दो नदी घाटियां अलग-अलग हो गई थी। कई जलीय जीवों की प्रजातियां इस तरह स्थान के आधर पर अलग हो गईं और इन्होंने आनुवंशिक रूप से फैलना शुरू कर दिया।

नई प्रजातियों के विवरण में भी माता माता के संरक्षण की स्थिति का पुनर्मूल्यांकन आवश्यक है। आज तक, इस प्रजाति के व्यापक रूप से फैलने के कारण इन्हें लुप्तप्राय नहीं माना गया था। अध्ययनकर्ताओं ने कहा कि हमारे परिणाम बताते हैं कि, दो प्रजातियों में विभाजित होने के कारण, प्रत्येक प्रजाति की जनसंख्या आकार पहले की तुलना में छोटी हुई है।

इसके अलावा, हर साल इन विचित्र दिखने वाले हजारों जानवरों का अवैध व्यापार होने से इनका जीवन समाप्त हो रहा हैं।

हालांकि इन जानवरों के अवैध व्यापार का पता लगने पर अधिकारियों द्वारा इन्हें जब्त भी किया जाता है। बोगोटा के नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ कोलम्बिया के प्रोफेसर और प्रमुख अध्ययनकर्ता मारियो वर्गास-रामिरेज कहते है कि इससे पहले बहुत देर हो जाए, हमें इन आकर्षक जानवरों की रक्षा करनी चाहिए।

दुनिया की रहस्यमयी फुन्दूजी झील

दुनिया में लाखों की संख्या में झीलें हैं, कुछ झीलें ऐसा ही जिनका रहस्य आज तक इंसान नहीं जानता.कुछ झीलों काफी डारवनी भी है.आज हम आपको एक ऐसी ही झील के बारे में बताने जा रहे हैं.कहा जाता है कि इस झील का पानी जो भी पी ले वो जिंदा नहीं बचता है और जल्द ही उसकी मौत हो जाती है.यह रहस्यमयी झील दक्षिण अफ्रीका के लिंपोपो प्रांत में है. इसे फुन्दूजी झील के नाम से जाना जाता है.स्थानीय लोगों के अनुसार, किंवदंती है कि इस जगह से प्राचीन काल में एक कोढ़ी व्यक्ति जो कारी लंबा सफर करके यहां आया था, उसे लोगों द्वारा भोजन और आश्रय नहीं दिया गया. कहा जाता है कि इसके बाद उस व्यक्ति ने लोगों को श्राप दिया और झील में प्रवेश किया और फिर गायब हो गया.

कहा जाता है कि झील के अंदर से आज भी डूबे हुए लोगों के रोने, ड्रम बजने की आवाजें आती रहती हैं. स्थानीय लोगों का यह भी कहना है कि पहाड़ों पर मौजूद इस झील की रक्षा एक विशालकाय अजगर करता है.इस अजगर को प्रसन्न करने के लिए हर साल वेन्दा आदिवासी एक नृत्य उत्सव का आयोजन करतें हैं, जिसमें कुवारी लड़कियां नाचती हैं.कहा जाता है कि झील प्राचीन काल में भूस्खलन के कारण बनी थी जिसने मुटाली नदी के प्रवाह को अवरुद्ध कर दिया था, और अब यह एक रहस्य है कि नदी का पानी बहुत साफ है, लेकिन ऐसा क्या है कि जो भी इसके पानी को पीता है उसकी जल्द ही मृत्यु हो जाती है.

जानकारी के अनुसार, झील के पानी के रहस्य को जानने की कई कोशिशें हुईं, हालांकि जांचकर्ता हर बार विफल रहे. कहा गया कि 1946 में एंडी लेविन नाम के एक व्यक्ति को झील के पानी की सच्चाई का पता लगाने के लिए यहां आया था.उसने इस झील से थोड़ा पानी लिया और झील के आस-पास के कुछ पौधे लिए और चल दिया. लेकिन वो थोड़ी देर ही चला था कि वो रास्ता भटक गया.एंडी लेविन तब तक रास्ता भटकते रहे जब तक उन्होंने पानी और पौधे नहीं फेंक दिए थे. हालांकि, इस घटना के कुछ दिनों बाद ही उनकी मृत्यु हो गई थी.

आज तक किसी को इस बात का पता नहीं चला है कि आखिर इस झील में ऐसा क्या है कि इसका पानी पीने के बाद व्यक्ति कि मौत हो जाती है.कुछ लोगों का मानना है कि इस झील के पानी में कोई खतरनाक जहरीली गैस मिली हो सकती है, लेकिन इसका कोई प्रमाण नहीं मिला है.

बस्तर में पाई जाने वाली जनजातियां

आधुनिक भारत में आज भी कई ऐसे स्थान है जहां पर बरसों से चली आ रही जनजातियां निवास करती हैयु तो भारतीय इतिहास में आदिवासी जनजाति संस्कृति का बहुत महत्व है.लेकिन समय के साथ बहुत सी जनजातियों ने स्वयं में बदलाव किये है.जैसे हलबा व भतरा जनजाति इत्यादि. अगर संपूर्ण विश्व की बात की जाए तो सबसे ज्यादा जनजातियां भारत में पाई जाती है जैसे कोल, भील, पहाड़िया, कमार, थारू जनजाति इत्यादि. लेकिन आज हम आपको बस्तर में पाई जाने वाली प्राचीन समय से लेकर अब तक चली आ रही जनजातियों के बारे में बताने जा रहे हैं.ये जनजातियां बस्तर व बस्तर के आस पास के इलाको में निवास करती है.तो जानते हैं इन जनजातियों के बारे में

जनजाति का अर्थ

जनजाति को समझने के लिए पहले हमें प्रकृति व जंगलों में रहने वाले मनुष्य के समुदाय को बारीकी से समझना चाहिए.जनजाति वह होती है जो सभी लोगों से दूर पर्वतों,जंगलों, वनो इत्यादि में निवास करती हैं. जिन की भाषा अलग होती है जो भूत-प्रेत, दैवी शक्तियों में बेहद विश्वास रखते हैं. जिन का व्यवसाय जंगली शिकार व जंगली पेड़ पोधो पर निर्भर रहता है. जंगलो में पाई जाने वाली लगभग 90 % जनजातीय असभ्य व हिंसक होती हैजिस प्रकार जंगली जानवर अपने इलाके की रक्षा के लिए अपनी जान तक दे सकता है ठीक इसी प्रकार ये जनजातीया अपने इलाके की रक्षा करती है. अमूमन सभी जनजाती माँसाहारी होती है.

बस्तर में पाई जाने वाली जनजातियों से पहले आपको बस्तर इलाके के बारे में समझना होगा.बस्तर एक जिला है जो चार संस्कृतियों से घिरा हुआ है इसके चारों तरफ छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, उड़ीसा और महाराष्ट्र की सीमाएं लगती है.इस जिले के जंगलो में हजारों सालों से विभिन्न जनजातियाँ निवास करती हैं जिनमे से प्रमुख जनजातियों का विवरण इस प्रकार है :

माडिया जनजाति

माडिया जनजाति बस्तर के जंगलों में पाई जाने वाली जनजाति है.यह जनजाति बस्तर के पहाड़ी इलाकों व जंगलों में निवास करती है.माडिया जनजाति को दो भागों में बांटा गया है 1.अबुझ माड़िया 2. दण्डामी माड़िया (बाईसन होर्न माड़िया) अबूझ मडिया पहाड़ों के घने जंगलों में निवास करती है व दण्डामी माड़िया समतल इलाके के जंगलों में निवास करती हैये लोग माड़िया भाषा बोलते है.इन दोनों जनजातियों की संस्कृति आपस में मिलती जुलती है और यह दोनों ही जनजातियां बाहरी लोगों का अपने इलाके में आना पसंद नहीं करती.जब भी कोई व्यक्ति इनके इलाके में प्रवेश करता है तो यह असहज महसूस करते हैं व बाहरी व्यक्ति पर तीर कमान से हमला कर देते हैं. हमले के बाद इस जनजाति के लोग कर्कश ध्वनि के द्वारा अपनी ताकत का एहसास कराते हैं.माडिया जनजाति के पुरुषों का स्वभाव नटखट व नाच गाने वाला होता है.यह लोग शराब के शौकीन होते हैं.इस जनजाति लोग अच्छी फसल प्राप्त करने के लिए अपने देवताओं के सम्मान में लकड़ियों के द्वारा आग जला कर उसके चारों ओर नृत्य करते हैं.माडिया जनजाति सर्वाहारी जनजातियों की श्रेणी में आती है.इस जनजाति के लोग बहुत बहादुर होते है ष्इस जनजाति के पुरुष शिकार के लिए बाघ, भालू, तेंदवे से भी लोहा लेने से नहीं कतराते.यु तो माडिया जनजाति बाघ का बेहद सम्मान करती है परंतु जब बाघ इन पर हमला करता है तो आत्म रक्षा में बाघ को भी मार सकते है.माड़िया लोगो में घोटुल परंपरा का पालन होता है व यह लोग काकसार नाम के कुल देवता की अराधना करते हैं.

हलबा जनजाति

हलबा जनजाति छत्तीसगढ़ (बस्तर) में पाई जाने वाली एक विशाल जनजाति है इस जनजाति के लोग छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के इलाकों में निवास करते हैं. प्राचीन समय में यह जनजाति भी जंगलों में रहती थी परंतु आज के समय में इस जनजाति के लोग गांवो की तरफ भी पलायन कर रहे हैं.हलबा जनजाति 17 वीं शताब्दी में बस्तर राज्य के प्रमुख और सबसे प्रभावशाली जनजातीय समूहों में से एक थीं व उस समय हलबा जनजाति बस्तर राज्य की राजनीति और सेना में सक्रिय थीं.देश के विभिन्न हिस्सों में प्रवास के बाद हलबा जनजाति ने अपनी आजीविका के लिए अलग-अलग व्यवसाय को अपना लिया . जैसे कृषि, बुनाई, मजदूरी इत्यादि हल्बा जनजाति की भाषा हल्बी है, जो मराठी और ओडिया का संयोजन से बनी है व ये लोग देवी माँ दंतेश्वरी की पूजा करते है.

भतरा जनजाति

भतरा जनजाति प्राचीन काल में सम्पूर्ण बस्तर जिले में फैली हुई थी इस जनजाति के लोग कला और नाटक प्रेमी होते थे.इन्हें पेंटिंग करना व नाच गाना पसंद था.परंतु समय के साथ इस जनजाति के लोगो ने खुद में बदलाव किया और यह भी समय की दौड़ के साथ चलना सिख गए.आज भतरा जनजाति के लोगों ने आधुनिक बनना शुरू कर दिया है.इस जनजाति के लोग आज कल शहरों में रोजगार की लिए निवास करते हैं.प्राचीन समय में इस जनजाति के लोगो का प्रिय भोजन केकड़ा व पक्षियों का मॉस था.

मुरिया जनजाति

मुरिया जनजाति को बस्तर की मूल जनजाति कहा जाता है अर्थात इस जनजाति के लोग हमेशा से इस इलाके में रहे हैं इस जनजाति के लोगों को श्रृंगार करना व कलात्मक वस्तुएं बनाना पसंद है.मुरिया जनजाति में माओपाटा के रूप में एक आदिम शिकार नृत्य किया जाता है जिसमे इस जनजाति के सभी पुरुष बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते है.नृत्य के समय युवा पुरुष नर्तक अपनी कमर में पीतल अथवा लोहे की घंटियां बांधे रहते है साथ में छतरी और सिर पर आकर्षक सजावट कर नृत्य करते है.

दिल्ली पुलिस के हत्थे चढ़ा मानव तस्करी का आरोपी, 25 हजार का था इनामी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस शकरपुर की अपराध शाखा ने शनिवार को एक अंतरराज्यीय मानव तस्करी करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान संजय नाम के व्यक्ति के रूप में हुई है। पुलिस ने इस बारे में जानकारी देते हुए शनिवार को बताया कि मानव तस्करी करने वाले संजय को गिरफ्तार कर लिया है, जो पिछले 3 मामलों में भी वांछित था और उस पर 25 हजार रुपये का इनाम है। पुलिस ने बताया कि यह गिरोह रेलवे स्टेशनों पर युवतियों को बहलाता-फुसलाता अपने साथ ले जाता था और बाद में उन्हें शादी के लिए 4 से 5 लाख रुपये में बेच देता था।

दिल्ली सरकार पर्यावरण के मुद्दों का प्रबंधन करने में विफल : एबीवीपी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने दिल्ली में पर्यावरणीय समस्याओं के प्रति दिल्ली सरकार के ढुलमुल दृष्टिकोण की निंदा की। परिषद ने मांग की है कि दिल्ली सरकार आरोप प्रत्यारोप कुचक्र रचने व समस्या से बचने की बजाए प्रभावी प्रबंधन और वायु गुणवत्ता को सुधारने के उपायों को लागू करने के लिए गंभीर कार्रवाई करे। अपने 58वें प्रान्त अधिवेशन में पारित प्रस्ताव में परिषद ने राजधानी में पर्यावरण संबंधी सुधार को लेकर कार्य करने का संकल्प लिया। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने पाया है कि यमुना नदी के पानी की गुणवत्ता दिल्ली में प्रवेश करने से पहले निर्धारित मानदंडों को पूरा करती है, लेकिन एनसीआर से बाहर निकलने पर गंभीर रूप से प्रदूषित हो जाती है। एनजीटी ने दिल्ली में सीवेज उत्पादन और उपचारित पानी की मात्रा के बीच एक बड़ा अंतर रिकॉर्ड किया है। हाल ही में एनजीटी ने दिल्ली सरकार पर खराब तरल और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए 2,232 करोड़ रुपये का कठोर जुर्माना भी लगाया है। इसी प्रकार पिछले साल अक्टूबर में भी एनजीटी ने दिल्ली सरकार पर तीन लैंडफिल साइट्स में तीन करोड़ मीट्रिक टन से ज्यादा कूड़े का निस्तारण करने में नाकाम रहने पर 900 करोड़ रुपये का जुर्माना जारी किया था। यह दिल्ली सरकार के पर्यावरण के प्रति कोई भी प्राथमिकता ना होने का नकारात्मक रवैया दर्शाता है। परिषद के दिल्ली प्रदेश संयोजक मंजुल पंवार ने कहा, बिगड़ती वायु गुणवत्ता, कचरे के कुप्रबंधन और यमुना नदी के प्रदूषण का न केवल दिल्ली के नागरिकों के स्वास्थ्य और कल्याण पर तत्काल प्रभाव पड़ता है, बल्कि पर्यावरण और अर्थव्यवस्था पर भी दीर्घकालिक प्रभाव डालता है। दिल्ली सरकार को अपने गैर जिम्मेदाराना रवैये को छोड़ने की आवश्यकता है।

नोएडा में स्क्रैप के गोदाम में आग लगने से लाखों का कबाड़ राख, दो ट्रक भी जले

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा दादरी थाना क्षेत्र के चचेड़ा गांव में आर्मी नॉर्थलैंड मैनेजमेंट कॉलेज के पास कबाड़े के गोदाम में रात अचानक आग लग गई। आग ने भीषण रूप धारण कर लिया। पहले तो लोगों ने आग पर पानी डाल कर बुझाने का प्रयास किया, लेकिन बेकाबू होती आग को देख फायर बिग्रेड को सूचना दी गई।सूचना

मिलते ही फायर बिग्रेड की आधा दर्जन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने लगीं। कई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।आग की चपेट आ कर दो ट्रक समेत चार गाड़ियां भी जल कर खाक हो गईं। गोदाम में आग लगने के बाद उठ रही लपटें बहुत भीषण थीं। गोदाम में प्लास्टिक के सामान आदि रखे होने के कारण आग तेजी से फैली और पूरे गोदाम में अपनी चपेट में ले लिया।चीफ फायर ऑफिसर प्रदीप कुमार ने बताया कि चचेड़ा गांव में आर्मी नॉर्थलैंड मैनेजमेंट कॉलेज के पास कबाड़ के गोदाम में आग लगने की सूचना 12.23 मिली। सूचना मिलते ही फायर सर्विस यूनिट घटना स्थल के लिए रवाना हो गई। 6 गाड़ियों की मदद से आग पर नियंत्रण कर लिया गया।

दिल्ली की मेयर ने भाजपा पर लगाया हिंसा का आरोप, कहा- करूंगी शिकायत

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने कहा है कि दिल्ली नगर निगम की स्थायी समिति के चुनाव में भाजपा के कुछ पार्षदों ने अरविंद केजरीवाल की ईमानदार राजनीति से प्रभावित होकर उनके नाम पर वोट दिया है। स्थायी समिति के चुनाव में पड़े वोटों की गिनती के बाद आप नेताओं ने कहा कि भाजपा के पांच पार्षदों ने आम आदमी पार्टी को वोट दिया है। यह अरविंद केजरीवाल की ईमानदार राजनीति की बड़ी जीत है। स्थायी समिति के चुनाव में आम आदमी पार्टी के पास 133 वोट थे, मगर कुल 138 वोट मिले।

आप ने कहा कि भाजपा रोज यह कहती थी कि आम आदमी पार्टी टूट जाएगी और पार्षद भाजपा में आ जाएंगे, मगर आज पूरा देश देख रहा है कि भाजपा ही टूट रही है। भाजपा अपनी सरकार बनाने का भी दावा कर रही थी, लेकिन आम आदमी पार्टी से महापौर और उपमहापौर का चुने गए। दिल्ली नगर निगम के सदन में महापौर के साथ हुई हाथापाई का मामला अब दिल्ली पुलिस तक जा पहुंचा है। सदन के स्थगित करने के बाद महापौर शैली ओबराय के साथ आम आदमी पार्टी (आप) के पार्षदों ने निगम मुख्यालय से कमला मार्केट थाने तक पैदल मार्च किया। इसके बाद वहां पहुंचे आप कार्यकर्ताओं ने थाने के बाहर प्रदर्शन किया। वहीं, महापौर शैली ओबराय ने स्वयं व महिला पार्षदों के साथ हुई हाथापाई की निंदा करते हुए दिल्ली पुलिस आयुक्त से मिलने का समय मांगा है।

सदन की बैठक स्थगित होने के बाद प्रेसवार्ता में महापौर शैली ओबराय ने कहा कि भाजपा के पुरुष पार्षदों ने उन पर जानलेवा हमला किया। भाजपा के पार्षदों ने सदन के अंदर और बाहर भी हमला किया। इस दौरान महिला

सुरक्षाकर्मियों ने अपनी जान पर खेलकर उनको बचाया। शैली ने कहा कि यह हमारे देश का सबसे दुर्भाग्यपूर्ण दिन है। देश में पहले से ही संविधान और लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाई जा रही थीं, आज तो सदन की धज्जियां उड़ीं।

भाजपा पार्षदों में मुझ पर जानलेवा हमला किया: महापौर

उन्होंने कहा कि सदन की बैठक से पहले भाजपा के पार्षदों की सभी शर्तों को सुना और उनकी शर्तों को मानकर चुनाव की प्रक्रिया शुरू की। चुनाव शांतिपूर्वक हुआ और जब गिनती की शुरुआत हुई और भाजपा के पार्षदों को लगा कि वो हार रहे हैं तो उन्होंने एक बार फिर सदन में हंगामा किया। गिनती की प्रक्रिया खत्म होने के बाद मैं बतौर पीठासीन अधिकारी परिणाम की घोषणा कर रही थी, तभी भाजपा के पार्षदों ने मेरी कुर्सी के पास चढ़कर मेरी मुझ पर हमला किया। भाजपा के पार्षद रवि नेगी, अर्जुन मारवाह, चंदन चौधरी और अन्य पार्षदों ने मिलकर मुझ पर जान पर जानलेवा हमला किया।

महापौर ने कहा कि मुझे सदन से अपनी जान बचाकर भागना पड़ा। महापौर ने कहा कि भाजपा के पार्षदों में सारे बैलेट पेपर फाड़ दिए और वहां से पेपर उठा ले गए। अब मेरी नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि स्थायी समिति का चुनाव दोबारा कराया जाए। हमने सदन को 27 फरवरी सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित किया है। 27 फरवरी को सुबह 11 बजे सदन की फिर से बैठक होगी और स्थायी समिति का चुनाव दोबारा कराया जाएगा।

महापौर को जान बचाकर भागना पड़ा: आतिशी

आप विधायक अतिशी ने कहा कि भाजपा ने अपनी गुंडागर्दी का एक और प्रमाण पूरे देश के सामने रखा है। उन्होंने कहा कि शैली ओबराय एकीकृत एमसीडी की पहली महिला महापौर हैं। उनको अपनी जान बचाकर सदन से भागना पड़ा। सदन के बाहर भी भाजपा के पुरुष पार्षदों ने उन पर हमला किया। उन्होंने कहा कि एमसीडी एक्ट के अनुसार अगर किसी वोट को अवैध होने का संदेह है तो पीठासीन अधिकारी निर्णय लेता है कि वो वोट वैध है या अवैध है। महापौर ने एक वोट को अवैध घोषित किया। क्योंकि उस वोट पर प्रेफरेंशियल वोटिंग में 1, 2 या 3 नहीं लिखा था। इसके बजाय 1, 2 और 2 लिखा था। इसलिए महापौर ने उस वोट को अवैध घोषित किया। वोट को अवैध घोषित करने के बाद महापौर ने दोबारा गिनती करने के लिए कहा।

दिल्ली के आनंद पर्वत इलाके में मजदूरों को बेकाबू ट्रक ने मारी टक्कर, मासूम सहित 4 की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के आनंद पर्वत इलाके के पास बीती रात एक ट्रक की चपेट में आने से 4 लोगों की मौत हो गई। रोहतक रोड पर मौके पर पहुंचने पर पुलिस को एमसीडी का एक ट्रक मिला, जो पलट गया था।

पुलिस ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि रात करीब 2 बजे पीसीआर पर कॉल आई, जिसमें एक कॉलर ने बताया कि आनंद पर्वत इलाके में एक ट्रेक पलट गया है, जिसमें चार लोग फंसे हुए हैं। मौके पर पहुंचने के बाद क्रेन की मदद से दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को उठाया गया और उसके नीचे फंसे मजदूरों को बाहर निकाला गया। इस सड़क दुर्घटना में तीन व्यक्तियों की मौके पर ही मौत हो गई और एक व्यक्ति ने इलाज के दौरान अस्पताल में दम तोड़ दिया।

सड़क बना रहे थे मजदूर: पुलिस

पूछताछ में सामने आया है कि

तेज रफ्तार ट्रक गली नंबर एक की ओर से आया था। 10 तरफ और मुख्य सड़क पर संतुलन खो दिया जहां मजदूरों को सड़क पर सीमेंटेड ईंटों के फर्श बनाने का काम कर रहे थे।

चश्मदीद की माने तो तेज गति में आ रहा ट्रक अपना संतुलन खो बैठा था और सड़क निर्माण में लगे मजदूरों पर पलट गया। सभी एमपी के टीकमगढ़ के रहने वाले प्रवासी मजदूर हैं। बताया जा रहा है कि इस घटना में ट्रक चालक भी घायल हो गया है, लेकिन ट्रक अभी पता नहीं चल सका है। पुलिस ने आगे कहा कि मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

टीकमगढ़ के हैं सभी मजदूर :पुलिस

सड़क हादसे में मरने वाले सभी मजदूर और एक मासूम टीकमगढ़ के रहने वाले हैं।

मृतकों के शवों को

आरएमएल मोर्चरी में शिफ्ट करा दिया है।

रमेश पुत्र रामस्वरूप उम्र - 30 वर्ष निवासी बिल - शाहपुर जिला टीकमगढ़ म.प्र.

सोनम पत्नी रमेश उम्र-25 साल

अनुज पुत्र किल्लू उम्र- 4 साल (एक लड़का जो पास में खेल रहा था)

किल्लू उम्र -40 साल

एमसीडी के सदन की लड़ाई दिल्ली पुलिस के थाने तक पहुंची, आप-भाजपा ने एक-दूसरे के खिलाफ दी शिकायत

नई दिल्ली। दिल्ली में मेयर और डिप्टी मेयर के चुनाव के बाद एमसीडी की स्थायी समिति के सदस्यों के लिए हुए चुनाव में देर शाम हंगामे के बाद सदन में आप और भाजपा पार्षदों के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। सदन में जोरदार हंगामे और मार-पीट के बाद आप और बीजेपी दोनों ने दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

दोनों पक्षों से मिली शिकायत: पुलिस

आप और भाजपा पार्षदों द्वारा पुलिस को दी शिकायत के बारे में जानकारी देते हुए शनिवार को एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि पुलिस को दोनों पक्षों से शिकायत मिली है और आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मेयर शैली ओबेरॉय द्वारा प्रमुख छह सदस्यीय स्थायी समिति के चुनाव में एक वोट को

अवैध घोषित करने के बाद नारेबाजी के बीच भाजपा और आप सदस्यों ने एक-दूसरे को लात, घूंसे और धक्का देकर एमसीडी हाउस में लड़ाई शुरू कर दी थी।

अब 27 को होगा चुनाव

एमसीडी हाउस में जोरदार हंगामे के बाद मेयर शैली ओबेरॉय ने हाउस की कार्यवाही को 27 फरवरी तक के लिए स्थगित कर दिया। अब 27 फरवरी को स्थायी समिति का चुनाव होगा। वहीं, इस सबके बीच आप पार्षद अशोक मनु अचेत होग गिर गए, जिसके बाद उन्हें नजदीकी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। फिर बाद में तबीयत ठीक होने के बाद पार्षद ने सदन में भाग लिया। दिल्ली नगर निगम हुए जोरदार हंगामे के बाद भाजपा और आप दोनों ने इस घटना के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराया। एक वीडियो में दोनों पार्टियों के पार्षदों को सदन के अंदर एक-दूसरे पर पानी की बोतलें और सेब फेंकते हुए देखा जा सकता है, जबकि दूसरे वीडियो में महिला पार्षदों को एक-दूसरे को मारते हुए देखा जा सकता है।

सीआईएसएफ के जवानों ने विदेशी मुद्रा की तस्करी करने वाले तीन यात्रियों को पकड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली हवाई अड्डा पर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों ने विदेशी मुद्रा की तस्करी करने वाले तीन यात्रियों को पकड़ा है। यात्री विदेशी मुद्रा को लेकर दुबई जा रहे थे। इनके कब्जे से 50.5 लाख रुपये की विदेशी मुद्रा बरामद की है, जिसे यात्री अपने बैग में सामान में छिपा कर रखे थे। सीआईएसएफ अधिकारियों ने तीनों यात्रियों को कस्टम विभाग के हवाले कर दिया है। कस्टम अधिकारी यात्रियों से पूछताछ कर आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

सीआईएसएफ अधिकारी ने बताया कि आईजीआई हवाई अड्डा पर तैनात सीआईएसएफ निगरानी और खुफिया कर्मचारियों ने शुक्रवार तड़के करीब 5.30 बजे चेक इन एरिया में एक यात्री की संदिग्ध परिस्थिति में घूमते हुए देखा। शक होने पर जवानों ने संदीप वर्मा नाम के यात्री को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की गई। यात्री ने बताया कि वह इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट से दुबई जा रहा है। सीआईएसएफ जवानों ने एक्सरे मशीन पर उसके बैग की जांच की। जिसमें कुछ संदिग्ध चीज दिखी। सीआईएसएफ कर्मी यात्री को लेकर कस्टम कार्यालय पहुंचे। उसके बाद जवानों ने सीसीटीवी कैमरे की फुटेज की जांच की। जिसमें पता चला कि संदीप दो अन्य यात्रियों के साथ टर्मिनल इमारत में प्रवेश किया था। जिनकी पहचान तुषार मल्होत्रा और चाहत गर्ग के रूप में हुई। उन्हें भी कस्टम विभाग के कार्यालय लाया गया। कस्टम अधिकारियों की मौजूदगी में तीनों यात्रियों के बैग की तलाशी ली गई। जांच करने पर उनके बैग से एक लाख यूएई दिरहम और 33 हजार अमेरिकी डॉलर मिला। जिसकी कीमत 50.5 लाख रुपये आंकी गई। यात्रियों ने विदेशी मुद्रा को सामान के अंदर छिपाकर रखा था। पूछताछ के दौरान यात्री इतनी बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा ले जाने का कोई वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सके। सीआईएसएफ अधिकारियों ने यात्रियों को कस्टम अधिकारियों को सौंप दिया है।

दुल्हन बनकर करती रही इंतजार, नहीं आई बारात

नई दिल्ली। दुल्हन अपने साजन की मेंहदी लगा चुकी थी। बारातियों के लिये खुबसूरत टैंट सज चुका था। कई प्रकार के पकवान बनने शुरू हो चुके थे। परिवार वालों अपने रिश्तेदारों का वेलकम भी करने लगे थे। दुल्हन घर में बैठकर घोड़ी चढ़कर आने वाले अपने साजन का इंतजार रही थी। बैंड बाजों की आवाज सुनने की कोशिश कर रही थी। इस बीच शादी करवाने वाला एक रिश्तेदार घर पर आया।

परिवार को बताया कि दूल्हे और उसके परिवार ने शादी करने से मना कर दिया। अगर करनी है तो एक लाख रुपये नकद लेकर आ जाओ, तभी दुल्हा घोड़ी पर चढ़ेगा। जिसके बाद अफरातफरी का माहौल बन गया। परिवार ने दुल्हे और उसके परिवार से फोन पर कई बार संपर्क कर हाथ पैर जोड़े, मगर कोई फायदा नहीं हुआ।

थाने में गए तो पुलिस वालों ने बोल दिया कि लिखित में शिकायत दे दो और समझौता कर लो, लड़की का मामला है। अमन विहार के बलबीर नगर में दुल्हन परिवार के साथ रहती है। जिसको लग रहा है कि उसकी जिस तरह से दहेज लोभियों ने बदनामी की है। उसके बाद उससे कोई शादी नहीं करेगा। वह भी अब उससे शादी नहीं बल्कि पुलिस से सजा दिलवाने की बात कर रही है।बलबीर विहार किराड़ी,सुलेमान नगर में रहने वाली रूबी की शादी करीब ढाई महीने पहले यादव एंक्लेव,विकास नगर गली नंबर-21 में रहने वाले दीपक से हुई थी। दीपक प्राईवेट लैब में नौकरी करता है।

एलजी ने 1200 नव नियुक्त सरकारी कर्मचरियों को नियुक्ति पत्र सौंपे

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) वीके सक्सेना ने दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड (डीएसएसएसबी) द्वारा दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों / स्थानीय निकायों / स्वायत्त निकायों के लिए चयनित लगभग 1200 नव नियुक्त सरकारी कर्मचरियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। यह भव्य समारोह दिल्ली सरकार के सेवा विभाग द्वारा विज्ञान भवन में आयोजित किया गया। वहीं एलजी ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं के लिए अधिक रोजगार के अवसर पैदा करने की आवश्यकता पर जोर दिया है, जो न केवल उन्हें आजीविका का साधन प्रदान करेगा, बल्कि भारत को आने वाला समय में एक विकसित देश बनाने के लिए आवश्यक मानव संसाधन भी उपलब्ध कराएगा। कार्यक्रम में एलजी ने कहा कि लंबे समय से रिक्त स्थायी सरकारी रिक्तियों को भरने के लिए किए गए प्रतिबद्ध प्रयासों के परिणाम दिखने लगे हैं। केवल शिक्षा विभाग में ही पिछले

08 महीनों में 9369 नई भर्तियां की गई हैं और कुल मिलाकर विभिन्न विभागों/ एजेंसियों में शिक्षा निदेशालय सहित 12000 से अधिक नई भर्तियां की गई हैं। आगे सक्सेना ने कहा कि यह 2017-21 के बीच पिछले पांच वर्षों के दौरान की गई प्रति वर्ष औसत भर्ती से दोगुना से अधिक है, जो केवल 5880 थी। उन्होंने जल्द से जल्द सरकार में सभी स्थायी रिक्तियों को भरने के रास्ते में आने वाली बाधाओं को दूर करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और बताया कि वह व्यक्तिगत रूप से भर्तियों की प्रक्रिया की निगरानी कर रहे हैं। उपराज्यपाल ने नवनियुक्त सरकारी सेवकों को उनके ईमानदार प्रयास द्वारा नौकरी पाने के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं में उनकी सफलता के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा की नवनियुक्त सरकारी सेवकों से यह अपेक्षा की जाती है की वे दिल्ली और देश के लिए सरकारी सेवक के रूप में अपने कर्तव्यों का पालन करते हुये भविष्य मे भी पूरी लगन, ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ काम करेंगे। सक्सेना ने कहा कि दिल्ली में पदभार ग्रहण करने के दिन से ही विकास को गति देने के अलावा दिल्ली के नागरिकों को समयबद्ध तरीके से जनसेवा सुनिश्चित करने हेतु मानव संसाधन को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दे रहे हैं। वे खुद दिल्ली में मानव संसाधन बढ़ाने के लिए भर्ती की पूरी प्रक्रिया की निगरानी कर रहे हैं। दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड ने दिल्ली के विभिन्न विभागों में 18000 से अधिक रिक्त पदों पर भर्ती के लिए परीक्षा आयोजित की है।

कृषि-ड्रोन को बढ़ावा देने के लिए आयोटेकवर्ल्ड एविगेशन ने कृषि विद्यापीठ के साथ किया करार

नई दिल्ली। अग्रणी कृषि-ड्रोन निर्माता आयोटेकवर्ल्ड एविगेशन ने घोषणा की कि उसने परभणी (महाराष्ट्र) स्थित वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ (वीएनएमकेवी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इसका उद्देश्य कृषि उत्पादकता में वृद्धि के लिए देश में मानव रहित हवाई वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देना है। गुरुग्राम स्थित कंपनी द्वारा एक प्रमुख शैक्षणिक संस्थान के साथ यह समझौता ड्रोन प्रौद्योगिकी में अनुसंधान को आगे बढ़ाने के अलावा कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग के बारे में किसानों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए किया गया है।

पिछले महीने एग्री ड्रोन बनाने वाली कंपनी ने राहुरी (महाराष्ट्र) स्थित महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ (कृषि विश्वविद्यालय) के साथ भी इसी तरह के करार की घोषणा की थी। इस नवीनतम एमओयू पर विश्वविद्यालय की ओर से वीएनएमकेवी के कुलपति डॉ. इंद्र

मणि, जबकि आयोटेकवर्ल्ड एविगेशन की ओर से सह-संस्थापक और निदेशक अनूप कुमार उपाध्याय ने हस्ताक्षर किए। उपाध्याय ने कहा कि आयोटेकवर्ल्ड एविगेशन ड्रोन तकनीक को बढ़ावा देने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है, और विश्वविद्यालयों के साथ साझेदारी का उद्देश्य अनुसंधान गतिविधियों को प्रोत्साहन है।

वीएनएमकेवी के साथ समझौता ज्ञापन के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग करेंगे और कृषि में ड्रोन के उपयोग को बढ़ावा देंगे। उन्होंने कहा, समझौते के दोनों हस्ताक्षरकर्ता वीएनएमकेवी विश्वविद्यालय में कृषि प्रशिक्षण केंद्र और रिमोट पायलट ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन (आरपीटीओ) विकसित करने के लिए मिलकर काम करेंगे। आयोटेकवर्ल्ड के सहसंस्थापक दीपक भारद्वाज ने कहा कि विश्वविद्यालयों के साथ गठजोड़ से कंपनी को किसान समूहों के बीच जागरूकता पैदा करने के अलावा ड्रोन तकनीक में ज्यादा शोध करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, किसानों के बीच कृषि-ड्रोन का उपयोग बढ़ रहा है और कई किसान संगठन भी इस अभियान में शामिल हो गए हैं। ये मानवरहित हवाई रोबोट बहुत ही काम के हैं, क्योंकि ये न केवल लागत बचाने में मदद करते हैं, बल्कि समय भी बचाते हैं।

गठजोड़ का एक अन्य प्रमुख उद्देश्य किसान हित के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल और विश्वविद्यालय में प्रस्तावित आरपीटीओ में ड्रोन पायलट बनाना है। उन्होंने कहा कि आयोटेकवर्ल्ड वीएनएमकेवि के साथ कृषि ड्रोन के लिए रिमोट पायलट ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन (आरपीटीओ) की स्थापना में तकनीकी भागीदार होगा, जो देश में ड्रोन पायलट की कमी को कम करने में मदद करेगा।

केजरीवाल सरकार का अधिकारियों को निर्देश, एलजी से सीधे आदेश लेना बंद करें

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार और दिल्ली के उपराज्यपाल के बीच टकराव की स्थिति अब चरम पर पहुंच गई है। दिल्ली सरकार ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे उपराज्यपाल से सीधे आदेश लेना बंद करें। इस बाबत सभी मंत्रियों ने अपने-अपने विभाग को भी पत्र भेजकर यह हिदायत दी है कि वह बिना मंत्री के निर्देश के उपराज्यपाल के आदेश को ना मानें। दरअसल, गत कुछ महीनों के दौरान दिल्ली सरकार के महत्वपूर्ण फैसलों की फाइलों पर अंतिम निर्णय लेने के लिए उपराज्यपाल सीधे अधिकारियों से आदेश देकर वो फाइलें मंगवा लेते थे। उस पर सभी पहलुओं को ध्यान में देखने के बाद ही अंतिम निर्णय लेते थे। इसको लेकर पहले भी कई बार दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने ऐतराज जताते हुए उपराज्यपाल को पत्र लिखा था कि वह बिना चुनी हुई सरकार की जानकारी के अधिकारियों को सीधे कोई आदेश ना दें। इस दिशा में यह प्रैक्टिस रुकी नहीं और अब केजरीवाल सरकार ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वह एलजी के आदेश को सीधा ना मानें। सभी मंत्रियों ने अपने-अपने विभाग सचिव को दिए निर्देश दिया है कि ट्रांजेक्शन ऑफ बिजनेस रूल्स (टीबीआर) का कड़ाई से पालन करें। सचिवों को निर्देश दिया गया है कि उपराज्यपाल से दिए जाने वाले किसी भी सीधे आदेश को मंत्री को रिपोर्ट करें। दिल्ली सरकार का कहना है कि उपराज्यपाल संविधान और सुप्रीम कोर्ट के फैसले का उल्लंघन कर चुनी हुई सरकार को बाइपास कर सचिवों को सीधा आदेश जारी कर रहे हैं। वहीं दिल्ली भाजपा प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा है कि दिल्ली में अरविंद केजरीवाल ने आज से उपराज्यपाल से विवाद छेड़कर अराजकता का एक नया दौर प्रारंभ कर दिया है।

हमारी भी इज्जत है, भारतीय टीम पाक नहीं आई तो हम भी वर्ल्ड कप खेलने भारत नहीं जाएंगे

-पीसीबी के पूर्व चेयरमैन रमीज राजा और मौजूदा प्रमुख नजम सेठी ने भारत को दी धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान इस साल होने वाले एशिया कप की मेजबानी करेगा। बीसीसीआई सचिव जय शाह के टूर्नामेंट के लिए टीम इंडिया को पाकिस्तान नहीं भेजने के फैसले के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया है। भारत के इनकार के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड में बौखलाहट पैदा हो गई है। पीसीबी के पूर्व चेयरमैन रमीज राजा और मौजूदा प्रमुख नजम सेठी ने भारत को धमकी दी है।

उन्होंने कहा कि टीम इंडिया एशिया कप खेलने पाकिस्तान नहीं आती है, तो भारत में इस साल के आखिर में होने वाले वनडे वर्ल्ड. कप में पाकिस्तान की टीम भी शामिल नहीं होगी। बीसीसीआई को धमकी देने वालों की लिस्ट में अब कामरान अकमल का नाम भी शामिल हो गया है। पूर्व विकेटकीपर बैटर कामरान अकमल ने कहा पाकिस्तान की भी इज्जत है। अगर वे एशिया कप से बाहर होते हैं तो हमें भी भारत नहीं जाना चाहिए।

पाकिस्तान टीम की सेलेक्शन कमेटी के मेंबर कामरान अकमल ने कहा अगर इंडिया एशिया कप में आने के लिए राजी नहीं है तो हमें 2023 वनडे वर्ल्ड कप खेलने के लिए वहां नहीं जाना चाहिए। कामरान ने कहा हमारी भी इज्जत है। हम भी वर्ल्ड चैंपियन रहे हैं। चैंपियन ट्राफी जीती है और सभी फॉर्मेट में शीर्ष पर भी रहे हैं। एशिया कप के वेन्यू को लेकर इस महीने की शुरुआत में बहरीन में हुई एशियन क्रिकेट काउंसिल की बैठक बेनतीजा रही। बीसीसीआई ने स्पष्ट कर दिया है कि पाकिस्तान के दौरे के लिए उसे सरकार से मंजूरी नहीं मिलेगी। वहीं, पीसीबी का कहना है कि उसने ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड समेत कई देशों के सफल दौरे आयोजित किए हैं, इसलिए टीम इंडिया को भी पाकिस्तान आना चाहिए। एशिया कप के लिए जिस नए फॉर्मूले पर विचार हो रहा है उसके तहत, भारतीय टीम अपने मैच यूएई में खेलेगी, जबकि बाकी देश पाकिस्तान जा सकते है।

वहीं, भारत-पाकिस्तान का मैच भी यूएई में रखने का प्रस्ताव है। अगर दोनों मुल्क सेमीफाइनल या फाइनल में पहुंचते हैं, तो यह मैच भी यूएई में कराए जा सकते हैं।

अल्कराज और नॉरी रियो ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे

रियो डी जेनेरियो (एजेंसी)। पिछले सप्ताह अर्जेंटीना ओपन के फाइनल में एक-दूसरे का सामना करने वाले कार्लोस अल्कराज और कैमरून नॉरी रियो ओपन के फाइनल में फिर से भिड़ने से एक जीत दूर है। रियो ओपन के गत विजेता स्पेन के अल्कराज ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल मुकाबले में दुसान लाजोविच को 6-4, 7-6 से शिकस्त दी। सेमीफाइनल में स्पने के इस खिलाड़ी के सामने निकोल्स जैरी की चुनौती होगी जिन्होंने सेबस्टियन बैज को 6-3, 7-6 से हराया। दूसरी वरीयता प्राप्त नॉरी ने बोलिविया के ह्यूगो डेलियन 4-6, 6-1, 6-4 से हराया। इस ब्रिटेन के इस खिलाड़ी को अंतिम चार में बर्नाबे जपाटा मिरालेस से भिड़ना होगा। मिरालेस ने स्पेन के हमवत खिलाड़ी अल्बर्ट रामोस-विनोलास 6-4, 2-6, 6-4 से मात दी।

आईपीएल 2023 : 31 मार्च को डिफेंडिंग चैंपियन गुजरात टाइटंस और सीएसके के बीच होगा ओपनिंग मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग का शेड्यूल आ चुका है। 31 मार्च को डिफेंडिंग चैंपियन गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपरकिंग्स के बीच ओपनिंग मुकाबला होगा। सीनियर प्लेयर्स बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में बिजी हैं तो बाकी खिलाड़ी बेंगलुरु में शिविर अटेंड कर रहे हैं। कंगारुओं के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले आईपीएल की तैयारियां शुरू होंगी। इस बीच आईपीएल 2023 से जुड़ा एक मजेदार फैक्ट भी सामने आया है। केएल राहुल जहां सबसे महंगे कप्तान हैं, जबकि धोनी की सेलरी सबसे ज्यादा है। बीता एक साल केएल राहुल के लिए भारी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। आईपीएल ऑक्शन में वह सबसे हॉट प्लेयर थे, जिन्हें हर टीम अपने साथ जोड़ने और कप्तान बनाने में लगी थी। पंजाब किंग्स छोड़ने के बाद उन्हें लखनऊ सुपरजायंट्स ने खरीदा और कप्तान बनाया। आईपीएल 2023 में केएल राहुल की फीस 17 करोड़ रुपए है।

आईपीएल में भले ही केएल राहुल का भाव ज्यादा हो। उनकी टीम अपने पहले ही सीजन में टॉप-4 तक पहुंची थी। राहुल का प्रदर्शन भी ठीक-ठाक ही रहा। उनके बल्ले से रन निकले थे, लेकिन उसके बाद से वह बुरे फॉर्म से गुजर रहे हैं। उनकी टीम में जगह को लेकर सवालिया निशान उठने लगे हैं। इस बार लीग राउंड में 70 मुकाबले खेले जाएंगे, जिनमें 18 डबल हेडर शामिल हैं। टूर्नामेंट अपने परिचित होम एंड अवे फॉर्मेट में वापस आ गया है, जिसमें सभी 10 दलों को सात मैच अपने घर पर और सात मुकाबले बाहर खेलने हैं। टूर्नामेंट में हमेशा की तरह 2 ग्रुप ही हैं। ए में मुंबई इंडियंस, राजस्थान रॉयल्स, केकेआर, दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स हैं। ग्रुप बी में चेन्नई सुपर किंग्स, पंजाब किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद, आरसीबी, गुजरात टाइटंस को रखा गया है।

सबसे महंगे 6 कप्तानों में सबसे ऊपर केएल राहुल (17 करोड़) है, दूसरे नंबर पर रोहित शर्मा (16 करोड़), तीसरे नंबर पर हार्दिक पंड्या (15 करोड़), चौथे नंबर पर संजू सैमसन (14 करोड़), पांचवें नंबर पर श्रेयस अय्यर (12.25 करोड़) और छठे नंबर पर एमएस धोनी (12 करोड़) हैं।

भज्जी ने कहा, केएल को बाहर कर गिल को मौका दे, जडेजा को उपकप्तान बनाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया से 2-0 से आगे है। सीरीज का तीसरा मैच 1 मार्च को इंदौर में होगा। ऑस्ट्रेलिया ने अभी तक निराश किया है, इसके बाद उनकी हार से भारत को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल का टिकट मिलेगा। लेकिन इससे पहले टीम को अपना उप-कप्तान चुनना है, क्योंकि बाकी दो बचे मैच के लिए सेलेक्टर ने कोई उप-कप्तान नहीं चुना। वहीं पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने तीसरे टेस्ट के लिए उप-कप्तान चुना, साथ ही कहा कि केएल राहुल प्लेइंग इलेवन से बाहर हो जाएंगे।

हरभजन ने कहा, भारत सीरीज में 2-0 से आगे है। भारतीय टीम ने घरेलू मैदानों का फायदा उठाया है। राहुल की जगह शुबमन गिल आ रहे हैं। पिछले दो

तीन महीनों से उन्होंने जो खेल दिखाया है, मुझे लगता है गिल को मौका मिल जाना चाहिए। उसके अलावा मुझे टीम में कोई बदलाव होता नजर नहीं आ रहा है। टीम तीन स्पिनरों के साथ है।वहीं उप-कप्तान को लेकर हरभजन ने कहा, आपका उप-कप्तान वहां खिलाड़ी होना चाहिए जो आपकी प्लेइंग इलेवन में खेले ही खेले। चाहे आप फिर भारत में मैच खेल रहे हों या फिर विदेश में। किसी भी कंडिशन में उप-कप्तान को प्लेइंग इलेवन में होना चाहिए। मुझे लगता है कि रविंद्र जडेजा हैं जिन्हें उप-कप्तान बनाना चाहिए। उन्हें अधिक जिम्मेदारी दीजिए। वहां लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। सीनियर हैं। बल्लेबाजी गेंदबाजी में उनका कद ऊंचा है।

ऑस्ट्रेलिया के लिए करो या मरो जैसा मैच है। उनके कई सीनियर खिलाड़ी विदेश लौट चुके हैं। वहीं कप्तानी स्टीव स्मिथ को सौंपी गई है, क्योंकि पैट कमिंस भी निजी कारण वापस घर लौट गए हैं। हरभजन ने कहा, देखने बाकी है कि क्या स्मिथ कप्तानी लेकर दोबारा लय पकड़ पाते हैं या नहीं। फिलहाल मुश्किल दिख रहा है क्योंकि हमारे स्पिनर्स लय में हैं। कंगारू टीम खाली सी हो गई है।

भारतीय जूनियर हॉकी टीम ने दक्षिण अफ्रीका 'ए' को 4-4 से बराबरी पर रोका

नयी दिल्ली । भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने दक्षिण अफ्रीका 'ए' को शुक्रवार को यहां 4-4 की बराबरी पर रोक कर इस दौरे पर अपना अजेय अभियान जारी रखा। इस दौरे पर दक्षिण अफ्रीका 'ए' टीम के खिलाफ यह पहला मैच था। इससे पहले भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका की अंडर-21 टीम को तीनों मैचों में मात दी थी। दक्षिण अफ्रीका का मौजूदा दौरा एशिया कप अंडर-21 के लिए टीम की तैयारी का हिस्सा है, जो आगामी एफआईएच महिला जूनियर विश्व कप के लिए क्वालीफायर भी है। क्रानिता बोब्स (पहले और 31वें मिनट) और बियामका वुड (छठे मिनट) ने भारतीयों के खिलाफ मैच की शुरुआत में ही बढ़त बना ली थी लेकिन नीलम (सातवां मिनट) और दीपिका सीनियर (आठवां और 30वां मिनट) के मुकाबले में भारत की वापसी करायी। इससे पहले तरनप्रीत कौर (25 वां मिनट) और दीपिका ने गोल कर भारतीय टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। क्रानिटा बोब्स और टैरिन लोम्बार्ड के गोल की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे हाफ में भारत की बढ़त को खत्म किया और मैच बराबरी पर छूटा।

बस एक जीत से दूर टीम इंडिया, टेस्ट में नंबर वन के ताज के साथ ही मिलेगा फाइनल का टिकट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेली जा रही है। यह श्रृंखला बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी है। अब तक हुए 2 मुकाबलों में भारत ने जबरदस्त जीत हासिल की है। ऑस्ट्रेलिया दोनों मुकाबलों का हार चुकी है। यह दोनों मुकाबले सिर्फ 3 दिन में ही खत्म हो गए थे। 1 मार्च से तीसरा टेस्ट मैच शुरू होगा। यह मुकाबला इंदौर में खेला जाएगा। इंदौर में भारतीय टीम की पूरी कोशिश होगी कि इस मुकाबले को जीता जाए। अगर भारत इस मुकाबले को जीतता है तो कहीं ना कहीं उसे बड़ा लाभ होने जा रहा है। भारत को इंदौर टेस्ट में जीत से 2 बड़े फायदे होंगे। पहला कि उसे अधिकारिक रूप से टेस्ट रैंकिंग में नंबर वन का ताज मिल सकता है। साथ ही साथ टीम इंडिया वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023 के फाइनल में भी पहुंच सकती है।

डब्ल्यूपीएल 2023 : मुंबई इंडियंस की महिला टीम का अभ्यास शिविर शुरू

मुंबई। मुंबई इंडियंस की टीम ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के शुरुआती सत्र से पहले शनिवार को यहां अपना अभ्यास शिविर शुरू किया। टीम ने मुख्य कोच चार्लोट एडवर्ड्स की देखरेख में पहले अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया। एडवर्ड्स ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, '' यह शानदार रहा। टीम का यहां एक साथ होना बहुत अच्छा है। यह हमारा घरेलू मैदान है और यहां टीम की खिलाड़ियों से मिलकर बहुत अच्छा लगा। मैंने इन खिलाड़ियों के बारे में बहुत कुछ सुन रखा है और आखिर मुझे उन्हें नेट पर अभ्यास करते हुए देखने का मौका मिल गया।' मुंबई इंडियंस अपना पहला मैच गुजरात जॉइंट्स के खिलाफ चार मार्च को नवी मुंबई में डी वाई पाटिल स्टेडियम में खेलेगा।

इंग्लैंड सात विकेट लेकर टेस्ट सीरीज में अपनी स्थिति की मजबूत

-न्यूजीलैंड पर मंडराया फॉलोऑन का संकट

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेली जा रही टेस्ट सीरीज के दूसरे टेस्ट में न्यूजीलैंड टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड टीम ने पहली पारी में जो रूट और हैरी ब्रूक के दमदार शतकीय पारी की बदौलत 8 विकेट के नुकसान पर 435 रन बनाए। इसके जवाब में उतरी न्यूजीलैंड टीम दूसरे दिन के खेल में कुछ खास कमाल नहीं कर पाई। जेम्स एंडरसन और जैक लीच ने कीवी टीम के बल्लेबाजों फ्लॉप नजर आए। दूसरे दिन स्टंप्स के समय न्यूजीलैंड का स्कोर 42 ओवर में 7 विकेट पर 138 रन रहा। फिलहाल इंग्लैंड टीम ने मजबूत पकड़ बना रखी है। न्यूजीलैंड टीम 297 रनों से पीछे चल रही है।बता दें कि इंग्लैंड टीम की तरफ से बल्लेबाजी करने

आई सलामी जोड़ी जैक क्रॉली और बेन डकेट ने खराब शुरुआत की। दोनों बल्लेबाज सस्ते में पवेलियन लौटे, लेकिन जो रूट और हैरी ब्रूक ने बल्ले से ताबड़तोड़ रन बरसाते हुए दमदार शतक जड़े। रूट ने नबाद 153 रन बनाए, तो हैरी ने 186 रनों की तूफानी पारी खेली थी। इन दोनों बल्लेबाजों के अलावा कोई खास प्रदर्शन नहीं कर पाया और इंग्लैंड टीम ने 8 विकेट के नुकसान पर 435 रन बनाए। न्यूजीलैंड की तरफ से सबसे ज्यादा 4 विकेट मैट हेनरी ने लिए।

इंग्लैंड टीम के गेंदबाजों के आगे बिखरी कीवी टीम

खेल के दूसरे दिन इंग्लैंड टीम के गेंदबाजों के आगे कीवी टीम के बल्लेबाज दूसरे दिन के खेल में फिसड्डी साबित हुए। बता दें कि 436 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड टीम के सलामी बल्लेबाज डेवन कॉन्वे बिना खाता खोले ही पवेलियन लौटे। इसके बाद केन विलियमसन भी 5 गेंदों पर महज 4 रन बनाकर सस्ते में अपना विकेट गंवा बैठे। विल यंग के बल्ले से 2 रन निकले। हालांकि, टॉम लैथम और हेनरी निकोल्स के बीच 39 रन की साझेदारी हुई, लेकिन वो भी बड़ी पारी नहीं खेल पाए और इस तरह से 42 ओवर में टीम 7 विकेट के नुकसान पर 138 रन बना पाई। एंडरसन और लीच को 3-3 विकेट मिला और स्टुअर्ट ब्रॉड ने 1 विकेट झटक दिया। टिम साउदी (23) और टॉम ब्लंडेल (25) नाबाद रहे।

डबल्यूआर मास्टर्स शतरंज - गुकेश और अरोनियन में होगा ख़िताबी मुक़ाबला

डूसेलडफ ,जर्मनी । विश्व के 10 बेहतरीन सुपर ग्रांड मास्टरों के बीच चल रहा डबल्यूआर मास्टर्स शतरंज अब अपने आखिरी पड़ाव पर पहुँच गया है और अंतिम राउंड में सयुंक्त बढ़त पर चल रहे भारत के युवा ग्रांड मास्टर डी गुकेश के पास खिताब जीतने का एक शानदार मौका होगा । गुकेश नें आठवे राउंड में पोलैंड के यान डूडा से बाजी ड्रॉ खेली जबकि उनके साथ बढ़त पर चल रहे दिग्गज खिलाड़ी यूएसए के लेवोन अरोनियन नें रूस के आन्द्रे एसीपेंकों से अंक बांटा और अंतिम राउंड में अब अरोनियन और गुकेश के बीच ही मुक़ाबला होना है और अगर गुकेश यह मैच जीते तो वह अपना पहला सुपर ग्रांड मास्टर टूर्नामेंट जीत सकते है । आठवे राउंड में भारत के रमेशबाबू प्रज्ञानन्दा नें विश्व नंबर 2 यान नेपोमनिशी से ड्रॉ खेला और वह फिलहाल 3.5 अंक बनाकर आठवें स्थान पर चल रहे है ।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल में आसान नहीं होगी साउथ अफ्रीका की राह

नई दिल्ली । दक्षिण अफ्रीका में आयोजित हो रहा महिला टी20 विश्व कप 2023 अब अपने अंतिम मुकाम की तरफ पहुंचने लगा है । इस विश्व कप का फाइनल मुकाबला 26 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जाएगा । इस टूर्नामेंट में पहली बार दक्षिण अफ्रीका की टीम फाइनल मुकाबले तक का सफर तय करने में सफलता हासिल कर सकी है । वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया कुल पांच बार टूर्नामेंट जीत चुकी है, जबकि सातवीं बार फाइनल का टिकट भी पक्का किया है । अब दक्षिण अफ्रीका को हराकर छठी बार ऑस्ट्रेलिया खिताब पर कब्जा करना चाहेगी । वहीं दक्षिण अफ्रीका टूर्नामेंट में खिताब जीतकर पहली बार विश्व विजेता बनना चाहेगी । हालांकि ऑस्ट्रेलिया जैसी धुरंदर टीम के सामने दक्षिण अफ्रीका के लिए ये मुश्किल हो सकता है ।

तीसरे टेस्ट में 2 विकेट लेकर कपिल का रिकॉर्ड तोड़ तीसरे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन जाएंगे अश्विन

नई दिल्ली । भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली जा रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2023 में भारतीय टीम शुरुआती दो टेस्ट मैच जीतकर सीरीज में 2-0 से आगे चल रही है । बता दें कि इन दोनों टेस्ट मैचों में भारतीय स्पिनर्स रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा ने कमाल का प्रदर्शन करते हुए कंगारू टीम के बल्लेबाजों को जमकर छकाया । वहीं, इंदौर में खेले जाने वाले तीसरे टेस्ट मैच में रविचंद्रन अश्विन सिर्फ 2 विकेट चटकाते ही भारतीय टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव का सबसे अधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड तोड़ देंगे । भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा मुकाबला 1 मार्च को इंदौर के होल्कर स्टेडियम में खेला जाना है । इस टेस्ट में भारतीय टीम के स्पिनर रविचंद्रन अश्विन सिर्फ 2 विकेट हासिल करने के साथ ही पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ देंगे । कपिल देव ने 687 इंटरनेशनल विकेट्स लिए हैं । ऐसे में अश्विन इंदौर टेस्ट में 2 सफलता हासिल कर कपिल देव का रिकॉर्ड तोड़ने के साथ ही इंटरनेशनल क्रिकेट में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में तीसरे गेंदबाज बन जाएंगे । उल्लेखनीय है कि टीम इंडिया के महान ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन अगर तीसरे टेस्ट मैच में 9 विकेट हासिल कर लेते हैं, तो वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा 112 विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन जाएंगे । इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने का कारनामा दिग्गज लेग स्पिनर अनिल कुंबले के नाम है । उन्होंने आस्ट्रेलिया के विरुद्ध कुल 111 टेस्ट विकेट लिए हैं । ऐसे में अश्विन अनिल कुंबले का रिकॉर्ड तोड़कर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन जाएंगे । इस समय अश्विन के नाम 103 टेस्ट विकेट दर्ज है ।

फिर महेन्द्र सिंह धोनी की तारीफ करते दिखे विराट कोहली, कहा- बुरे दौर में सिर्फ माही ने मुझसे बात की

नयी दिल्ली। (एजेंसी)। दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा कि क्रिकेट के मैदान पर जब वह खराब दौर से गुजर रहे थे तब महेन्द्र सिंह धोनी इकलौते व्यक्ति थे, जिन्होंने उनसे बातचीत की थी। कोहली ने पिछले महीने चार-एकदिवसीय मैचों में तीन शतकीय पारी खेल अपनी पुरानी लय हासिल की। उन्होंने इससे पहले सितंबर 2022 में एशिया कप टी-20 टूर्नामेंट में शतक लगाकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतकों के तीन साल के सूखे को खत्म किया था। कोहली और धोनी के बीच मजबूत रिश्ता है।

कोहली की ये बातें इसका तस्दीक करती हैं।कोहली ने 'आरसीबी पोडकास्ट' से कहा, ''उस समय अनुष्का मेरी सबसे बड़ी ताकत थी क्योंकि वह मेरे साथ रह रही थी और उसने बहुत करीब से देखा कि मैंने कैसा महसूस किया है... इस दौरान मेरे बचपन के कोच और परिवार के अलावा एमएस धोनी इकलौते व्यक्ति थे, जिन्होंने मुझसे संपर्क किया था।'' कोहली ने 2008 से 2019 के बीच 11 साल तक धोनी के साथ ड्रेसिंग रूम साझा किया है। उन्होंने रांची के करिश्माई क्रिकेटर को अपना हमेशा का 'कप्तान' बताया। कोहली ने कहा, ''उन्होंने मुझसे खुद संपर्क किया, क्योंकि धोनी से संपर्क करना काफी मुश्किल है। अगर मैं उन्हें किसी भी दिन फोन करता हूं, तो 99 प्रतिशत वह (फोन) नहीं उठा पाते हैं, क्योंकि वह फोन से दूर रहते है।''

उन्होंने कहा, ''ऐसे में उनकी तरफ से संपर्क किया जाना और वह भी दो बार (किया जाना), अच्छा रहा। उन्होंने मुझे समझाया था, ''जब आपसे मजबूत होने की उम्मीद की जाती है और आपकोमजबूत व्यक्ति के रूप में देखा जाता है तो लोग यह पूछना भूल जाते हैं कि आप कैसे हैं?'' कोहली ने बताया, ''उनकी (धोनी की) बातों का मुझपर गहरा असर हुआ, क्योंकि मुझे हमेशा एक ऐसे व्यक्ति के रूप में देखा गया है जो बहुत आत्मविश्वासी है, मानसिक रूप से बहुत मजबूत है, जो किसी भी परिस्थिति को सहन कर सकता है और रास्ता निकाल सकता है, साथ ही हमें रास्ता दिखा सकता है।''

इस दिग्गज बल्लेबाज ने कहा, ''कभी-कभी, आप जो महसूस करते हैं वह यह है कि जीवन में किसी भी समय एक इंसान के तौर पर आपको कुछ कदम पीछे खींचने और यह समझने की जरूरत होती है कि आपकी खुद की भलाई किन चीजों से है।'' कोहली ने जब जनवरी 2022 में दक्षिण अफ्रीका के दौरे के बाद अचानक टेस्ट कप्तानी छोड़ दी, तब भी उन्होंने कहा था कि सिर्फ धोनी ने ही उन्हें संदेश (मैसेज) भेजा था।

मोदी सरकार का डीएनए ही गरीब विरोधी : खड़गे

रायपुर, 25 फरवरी (एजेन्सी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्र की मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि दिल्ली की सरकार में बैठे लोगों का डीएनए ही गरीब विरोधी है। ये सरकार गरीब के खिलाफ काम करती है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को पार्टी के 85वें अधिवेशन को संबोधित करते हुए कहा कि आप सबने मुझे चुना, मेरा विश्वास किया। मैं इसका आभारी हूं। ये केवल कांग्रेस पार्टी में ही संभव है कि एक मामूली सा ब्लॉक अध्यक्ष आज कांग्रेस पार्टी का अध्यक्ष बन गया। लोकतंत्र का सबसे बड़ा सबूत आज यह कांग्रेस पार्टी है।

उन्होंने कहा कि देशभर में चारों ओर फैले इस नफरत के माहौल के बीच राहुल गांधी ने पदयात्रा निकालकर संघर्ष की एक नई मशाल भारत जोड़ो यात्रा के माध्यम से देश में जलाई। जिसकी रोशनी कन्याकुमारी से कश्मीर तक फैल गई। राहुल गांधी ने न धूप की, ना बारिश की परवाह की, न धूल के बवंडर की चिंता की और न बर्फ की परवाह की, वो यात्रा में पैदल चलते रहे। राहुल गांधी ने देशभर में अपनी भारत जोड़ो यात्रा निकाली। भारत की आत्मा में कांग्रेस पार्टी बसी हुई है और कांग्रेस देशवासियों का दर्द समझती है।

उन्होंने कहा महात्मा गांधी आज से 100 साल कर्नाटक के बेलगांव में कांग्रेस के अध्यक्ष बने थे। उन्होंने देश को एक नई दिशा दी थी, उन्होंने कांग्रेस का स्वरूप बदला और कांग्रेस के संविधान में कई बड़े बदलाव किए थे, उन्होंने भारत के किसान और मजदूरों, गरीबों, वंचितों को देश की मुख्यधारा से जोड़ा। बेलगाम में पहली बार कांग्रेस पार्टी ने छुआछूत और जाति भेदभाव को पार्टी के अपने एजेंडे में आधिकारिक रूप से शामिल किया था। कर्नाटक में उन्होंने छुआछूत के खिलाफ प्रस्ताव पास करके देश को एक संदेश दिया था इसलिए आज हम उन्हें याद करते हैं।

उन्होंने केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि सत्ता में बैठे लोगों ने आज देश के हर संस्थान को हथिया रखा है। आज देश को 'सेवा संघर्ष और बलिदान' की जरूरत है इसलिए यह हमारा नारा होगा। भारत आज अपने सबसे मुश्किल दौर से गुजर रहा है। कमरतोड़ महंगाई से जनता के घर का बजट बिगड़ गया है। फसल की कीमत ना देकर किसानों की आमदनी को खत्म किया जा रहा है। नफरत में देश के सामाजिक माहौल को बिगाड़ दिया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और अन्य संवैधानिक संस्थाओं के दम पर देश में चुनी हुई सरकारों को गिराया जा रहा है। अधिवेशन से ठीक पहले कांग्रेस नेताओं के घर ईडी की रेड के बावजूद इसका डट कर मुकाबला किया।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ऐसा लगता है कि देश में पिछड़ों गरीबों और मध्यवर्गीय परिवारों के लिए इस देश में कोई जगह नहीं है। केंद्र सरकार की ओर से कोविड काल में लगाए गए लॉकडाउन में लोगों को ना दवाई मिली, ना आना जाना संभव हो पाया, ना अस्पताल में पहुंच पाए यहां तक की अंतिम संस्कार भी संभव नहीं हुआ। मनरेगा बजट में कटौती कर दी गई। मनमोहन सिंह सरकार में फूड सिक्योरिटी बिल जो लाया गया, यहां तक की उसके बजट में भी कटौती कर दी गई। दिल्ली की सरकार में बैठे लोगों का डीएनए ही गरीब विरोधी है। इनका डीएनए गरीब के खिलाफ काम करता है।

उन्होंने अदाणी पर हमला बोलते हुए कहा, प्रधानमंत्री मोदी के एक मित्र की आमदनी 300 गुना अधिक बढ़ गई। ऐसा लगता है कि प्रधान सेवक देश की नहीं, सिर्फ अपने मित्र की सेवा ही कर रहे हैं। आज आम आदमी को चिंता है कि उनकी एलआईसी में जो जमा की गई पूंजी और एसबीआई बैंक में जमा पैसे बच पाएंगे या नहीं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हम चीन के खिलाफ भारत की सेना के साथ खड़े हैं, लेकिन केंद्र में बैठे बीजेपी के नेता लगातार बार-बार यह कहते हैं कि कांग्रेस पार्टी सेना विरोधी है, जबकि सत्ता में रहते हुए कांग्रेस पार्टी ने देश की सेना को मजबूत किया। चीन ने अप्रैल 2020 से लगातार हिंदुस्तान की जमीन पर हमला किया, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने उनको क्लीन चिट दे दी। यहां तक की विदेश मंत्री ने यह बयान तक दे दिया कि हम चीन से लड़ नहीं सकते। क्योंकि चीन

भारत से बड़ी अर्थव्यवस्था है।

खड़गे ने प्रधानमंत्री मोदी को चुनौती देते हुए कहा, यह 56 इंच का सीना तभी माना जाएगा जब आप चीन से भारत की जमीन को लड़कर वापस लेंगे। साल 2024 के चुनाव में हमारा एजेंडा बिल्कुल साफ है हम देश के मुद्दों पर चुनाव लड़ेंगे। 2004 से 2014 के बीच यूपीए ने समान विचारधारा वाले कई दलों से गठबंधन किया। और कांग्रेस पार्टी ने एक बेहद कामयाब सरकार चलाई, आज हम उन समान विचारधारा वाले दलों का स्वागत करते हैं, आज एक बार फिर साथ आने का मौका है।

इससे पहले महाधिवेशन के दूसरे दिन कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने तिरंगा फहराया। साथ ही इस कार्यक्रम में सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका भी पहुंचे हैं। इस मौके पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राहुल गांधी की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने संघर्ष की मशाल जलाई और असंभव को संभव किया।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, यह केवल कांग्रेस में ही संभव है कि एक साधारण व्यक्ति जो कभी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष था,आज भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष निर्वाचित हो गया। यह लोकतंत्र का सबसे बड़ा सबूत है।

होली के मौके पर स्पेशल ट्रेनों में 30 प्रतिशत अधिक किराया

राजेश अलख

नई दिल्ली, 25 फरवरी । होली पर पूर्वांचल और बिहार जाने वाले यात्रियों की टिकट के लिए मच रही मारामारी के बीच रेलवे ने स्पेशल ट्रेन के नाम पर 30 प्रतिशत तक अधिक किराया कर दिया है।

दरअसल रेलवे ने फिलहाल किराया तो नहीं बढ़ाया लेकिन त्योहारों के मौके पर स्पेशल ट्रेन के माध्यम से अधिक किराया जरूर वसूलता रहा है। इन दिनों बिहार और पूर्वांचल जाने वाली ट्रेनों में अधिक मारामारी है, कई ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट 300 के पर तक है। ऐसे में रेलवे ने यात्रियों में मांग पर एक दर्जन से अधिक स्पेशल ट्रेन चलाई है।

होली का त्यौहार परिवार के साथ मानने और अन्तिम समय में टिकट लेने वाले इन यात्रियों के पास रेलवे की स्पेशल ट्रेन में यात्रा करने या तत्काल टिकट लेने के अलावा कोई चारा नहीं है। हालांकि रुटीन ट्रेनों की बजाए इन स्पेशल में तत्काल कोटे से अधिक किराया लग जा रहा है। गोरखपुर से दिल्ली जाने में वातानुकूलित श्रेणी तीन से साढ़े चार सौ रुपये अधिक किराया लिया जा रहा है।

रेलवे ने दो मार्च तक चलने वाली गोरखपुर-दादर स्पेशल एक्सप्रेस को तीन जुलाई तक संचालित करने की घोषणा कर दी है। पूर्वोत्तर रेलवे ने 11 जोड़ी होली स्पेशल ट्रेनों की घोषणा हो गई। आगे अभी और ट्रेनों के घोषणा होने की संभावना है। इसी तरह बिहार के लिए भी दिल्ली के आनंद विहार और नई दिल्ली से एक दर्जन से अधिक ट्रेनों की घोषणा की गई है। साल 2014-15 से पहले स्पेशल ट्रेनों में अतिरिक्त किराया नहीं लिया जाता था। अब पिछले कुछ वर्षो से स्पेशल ट्रेन में अतिरिक्त किराया लिया जा रहा है। स्पेशल में कोई सुविधा तो बढ़ी नहीं, लेकिन अधिकतम 30 प्रतिशत अधिक किराया अवश्य बढ़ गया।

भारत जोड़ो यात्रा के साथ ही मेरी पारी समाप्त हो सकती है : सोनिया गांधी

'डर की आग भड़का रही है भाजपा'

रायपुर, 25 फरवरी (एजेन्सी)। कांग्रेस पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने शनिवार को राजनीति से अपनी सेवानिवृत्ति की ओर इशारा करते हुए कहा कि उनकी पारी भारत जोड़ो यात्रा के साथ ही समाप्त हो सकती है।

छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में कांग्रेस का 85वां पूर्ण अधिवेशन जारी है। शनिवार को अधिवेशन के दूसरे दिन के कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने ये संकेत दिया कि भारत जोड़ो यात्रा के साथ ही उनकी राजनीतिक पारी समाप्त हो सकती है। उन्होंने कहा कि यात्रा एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में आई है। इसने साबित कर दिया है कि भारत के लोग सद्भाव, सहिष्णुता और समानता चाहते हैं।

उन्होंने कहा, यह कांग्रेस और पूरे देश के लिए एक चुनौतीपूर्ण समय है। भाजपा-आरएसएस ने देश की हर एक संस्था पर कब्जा कर लिया है और उसे उलट दिया है। कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी ने कहा, चंद कारोबारियों को फायदा पहुंचाकर केंद सरकार ने आर्थिक तबाही मचाई है। कांग्रेस नेता ने कहा, कांग्रेस पार्टी ने बहुत कुछ हासिल भी किया है, एक अच्छा समय भी देखा, बहुत कुछ हासिल किया, लेकिन अब एक मुश्किल दौर से गुजर रही है। पिछले दिनों देश में नफरत के कारण महिलाओं, आदिवासियों, गरीबों और पिछड़ों पर हमले किए गए। ये हमारी ज़िम्मेदारी है कि हम इसे खत्म करें। कांग्रेस केवल एक पार्टी नहीं है ये एक विचार है और जीत केवल हमारी होगी।

सोनिया गांधी ने कहा, 2004 और 2009 में हमारी जीत के साथ-साथ डॉ मनमोहन सिंह के सक्षम नेतृत्व ने मुझे व्यक्तिगत संतुष्टि दी, लेकिन मुझे सबसे ज्यादा खुशी इस बात की है कि मेरी पारी भारत जोड़ो यात्रा के साथ समाप्त हो सकती है, जो कांग्रेस के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है।

उन्होंने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे को राजनीति का लंबा अनुभव है और ऐसे मुश्किल समय में कांग्रेस पार्टी को उनकी अध्यक्षता की आवश्यकता है। खड़गे की अध्यक्षता में हम इस मुश्किल समय को भी पार कर पाएंगे।

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने शनिवार को भाजपा पर देश के लोगों में भय की आग भड़काने का आरोप लगाया। वह पार्टी के तीन दिवसीय पूर्ण सत्र के दूसरे दिन बोल रही थीं।

गांधी ने कहा कि यह कांग्रेस के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण समय है क्योंकि मोदी सरकार ने हर संस्थान पर कब्जा कर लिया है और उसे तोड़ दिया है।

उन्होंने आरोप लगाया, 'भाजपा डर पैदा कर रही है और अल्पसंख्यकों, दलितों, आदिवासियों, महिलाओं और समाज के वंचित वर्ग को निशाना बना रही है।' पार्टी के लिए देश के लिए योगदान देने के लिए इसे एक 'महत्वपूर्ण' समय करार देते हुए, उन्होंने कहा, 'हमें भाजपा शासन से सख्ती से निपटना चाहिए, लोगों तक पहुंचना चाहिए और अपना संदेश स्पष्टता के साथ देना चाहिए।'

उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के वाहन के रूप में लोगों के लिए काम करने को कहा।

शिक्षा प्रणाली में फ्लेक्सिबिलिटी की कमी थी, हमारी सरकार ने इसे बदलने की कोशिश की : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 25 फरवरी (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले कुछ वर्षों में शिक्षा प्रणाली में फ्लेक्सिबिलिटी की कमी पर शनिवार को अफसोस जताया और बदलाव लाने के लिए केंद्र सरकार के प्रयासों का उल्लेख किया।

प्रधानमंत्री ने 'हारनेसिंग यूथ पावर - स्किलिंग एंड एजुकेशन' पर बजट के बाद के वेबिनार को संबोधित करते हुए कहा, 'युवाओं की योग्यता और भविष्य की मांगों के अनुसार शिक्षा और कौशल को फिर से उन्मुख किया गया है।'

यह केंद्रीय बजट 2023 में घोषित पहलों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए विचारों और सुझावों की तलाश के लिए सरकार द्वारा आयोजित 12 पोस्ट-बजट वेबिनार की सीरीज में से तीसरा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस वर्ष के बजट ने शिक्षा प्रणाली को और अधिक व्यावहारिक और उद्योगोन्मुख बनाकर इसकी नींव को मजबूत किया है।

उन्होंने रेखांकित किया कि भारत के अमृत काल के दौरान कौशल और शिक्षा दो प्रमुख उपकरण हैं और यह युवा ही हैं जो विकसित भारत की ऑष्टि से देश की अमृत यात्रा का नेतृत्व कर रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि नई शैक्षिक नीति के हिस्से के रूप में शिक्षा और कौशल दोनों पर समान जोर दिया जा रहा है और इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की है कि इस कदम को शिक्षकों का समर्थन मिला है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह कदम सरकार को हमारे छात्रों को अतीत के नियमों से मुक्त करते हुए शिक्षा और कौशल क्षेत्रों में और सुधार करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

कोविड महामारी के दौरान के अनुभवों को ध्यान में रखते हुए, प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि नई तकनीक नए प्रकार के क्लासरूम बनाने में मदद कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार उन उपकरणों पर ध्यान केंद्रित कर रही है जो ज्ञान तक कहीं भी पहुंच सुनिश्चित करते हैं और 3 करोड़ सदस्यों वाले ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म स्वयम का उदाहरण दिया। उन्होंने वर्चुअल लैब्स और नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी के ज्ञान का बहुत बड़ा माध्यम बनने की संभावना की ओर इशारा किया।

'ऑन-द-जॉब लर्निंग' पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री ने कई देशों द्वारा विशेष जोर दिए जाने का उल्लेख किया और केंद्र सरकार के युवाओं को कक्षा के बाहर एक्सपोजर देने के लिए केंद्रित इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप प्रदान करने के प्रयासों पर प्रकाश डाला।

प्रधानमंत्री ने बताया, 'आज, राष्ट्रीय इंटर्नशिप पोर्टल पर लगभग 75,000 नियोक्ता हैं, जहां अब तक 25 लाख इंटर्नशिप की आवश्यकताओं को पोस्ट किया जा चुका है।' उन्होंने उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों से आग्रह किया कि वे इस पोर्टल का अधिक से अधिक उपयोग करें और देश में इंटर्नशिप की संस्कृति का और विस्तार करें।'

एक कुशल कार्यबल की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया भारत को एक विनिर्माण केंद्र के रूप में देख रही है और देश में निवेश के बारे में दुनिया के उत्साह का उल्लेख किया। उन्होंने एआई, रोबोटिक्स, आईओटी और ड्रोन जैसे उद्योग 4.0 क्षेत्रों के लिए एक कुशल कार्यबल बनाने पर ध्यान केंद्रित करने पर भी प्रकाश डाला, जिससे अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के लिए प्रतिभा को खोजने में अधिक ऊर्जा और संसाधनों को फिर से कौशल पर खर्च किए बिना आसान बना दिया गया।

इस वर्ष के बजट पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री ने एआई के लिए उत्कृष्टता के तीन केंद्रों का उल्लेख किया और कहा कि यह उद्योग-अकादमिक साझेदारी को मजबूत करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि आईसीएमआर लैब्स अब मेडिकल कॉलेजों और निजी क्षेत्र की आरएंडडी टीमों को उपलब्ध कराई जाएंगी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्टो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com